घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 10- सोमवार 10- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

प्रधानमंत्री ने मंच से बटन दबाकर 8140 करोड़ की योजनाएं भी शुरू की

उत्तराखंड का असली परिचय आध्यात्मिक शक्ति,दुनिया की स्पिरिचुअल कैपिटल के रूप में स्थापित हो सकते हैं : पीएम मोदी

उत्तराखंड,09 नवम्बर 2025। उत्तराखंड की रजत जयंती पर आज पीएम मोदी देहरादून पहुंचे। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट में 29 मिनट के भाषण की शुरुआत उन्होंने गढ़वाली बोली में की। उन्होंने कहा- भय-बंधों, दीदी भुल्यों दयाणा स्याणां...आप सबुकई मेरू नमस्कार। इसके बाद उन्होंने सभी उत्तराखंडियों को राज्य गठन के 25 साल पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा- तीर्थाटन और बरामासी पर्यटन उत्तराखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा,राज्य का असली परिचय उसकी आध्यात्मिक शक्ति है। ये दुनिया की स्पिरिचुअल कैपिटल के रूप में स्थापित हो सकता है। पीएम ने मंच से बटन दबाकर 8140 करोड़ की योजनाएं भी शुरू कीं। उन्होंने कहा कि कई बार इस राज्य के विकास पर ब्रेक लगा है, लेकिन हमने सुनिश्चित किया है कि ये ब्रेक ना लगे। अगस्त 2014 के बाद 30वीं बार उत्तराखंड पहुंचे मोदी से पहले मंच को संबोधित करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उनकी जमकर तारीफ की, मंच से ही उन्होंने एक कविता पढ़कर पीएम को राष्ट्र ऋषि बताया।

मोदी बोले...यहां के 15 कृषि उत्पादों को जीआई टैग मिला...

मोदी ने कहा कि वेडिंग डेस्टिनेशन में भी उत्तराखंड लोकप्रिय हो रहा है। मेरा अभियान है- वेड इन इंडिया। साथियों ने देश ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। इसका रास्ता वोकल फॉर लोकल से पूरा होगा। मुझे खुशी है कि यहां अभियान को तेज गति मिली है। यहां 15 कृषि उत्पादों को जीआई टैग मिला है। बद्री गाय का घी पहाड़ के हर घर की शान है। बेंडू अब बाहर के बाजारों तक पहुंच रहा है। वो उत्पाद जहां जाएगा, अपने साथ उत्तराखंड की पहचान भी ले जाएगा। मोदी ने कहा कि आप सभी को फिर से हार्दिक शुभकामनाएं। आज से 25 साल बाद जब देश आजादी के 100 साल बनाएगा तो अभी से लक्ष्य बनाएं। भारत सरकार उत्तराखंड सरकार के साथ खड़ी है। हर परिवार, नागरिक के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

यहां के तीर्थों में लाखों भक्त आते हैं

मोदी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार अब सेब और टीवी के किसानों को डिजिटल करेंसी में अनुदान दे रही है। देवभूमि उत्तराखंड भारत के आध्यात्मिक जीवन की धड़कन है। यहां अनगिनत तीर्थ हैं, वे हमारी आस्था के प्रतीक हैं। लाखों भक्त यहां आते हैं। उनकी यात्रा भक्ति का मार्ग खोलती है। यहां की इकोनॉमी में ऊर्जा भरती है।

मोदी बोले...उत्तराखंड फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है...

उत्तराखंड में 12 महीने पर्यटन की संभावना रही है। मुझे खुशी है कि राज्य विंटर टूरिज्म को नया आयाम दे रहा है। सर्दियों में पर्यटकों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। 3 साल पहले आदि कैलाश यात्रा में 2 हजार श्रद्धालु आते थे, अब 30 हजार आते हैं। इको टूरिज्म की बहुत संभावना है। उत्तराखंड अब फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में भी उभर रहा है।

उत्तराखंड स्पिरिचुअल कैपिटल के रूप में स्थापित हो सकता है

उत्तराखंड ने 25 सालों में विकास की लंबी यात्रा तय की है। सवाल ये है कि अगले 25 सालों में किस ऊंचाई पर देखना चाहेंगे। जहां चाह, वहां राह। जब हमें पता होगा कि लक्ष्य क्या है, उसको हासिल कर पाएंगे। उत्तराखंड का असली परिचय उसकी आध्यात्मिक शक्ति है। राज्य ठान लें तो यह खुद को स्पिरिचुअल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड के रूप में स्थापित कर सकता है।

गुजरात एटीएस ने तीन आतंकी पकड़े

देश में कई जगह हमले करने की प्लानिंग कर रहे थे,हथियार जमा करने पहुंचे थे गुजरात

अहमदाबाद,09 नवम्बर 2025। गुजरात एटीएस ने आतंकी गतिविधियों में शामिल तीन लोगों को अहमदाबाद के अडालज से गिरफ्तार किया है। एटीएस टीम पिछले कुछ दिनों से इन पर नजर रख रही थी। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद एटीएस ने रविवार सुबह तीनों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला है कि तीनों आईएसआईएस के लिए काम कर रहे थे।

दो यूपी से,एक हैदराबाद का निवासी

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए दो आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा आतंकी हैदराबाद का निवासी है। तीनों यूपी से गुजरात के अडालज पहुंचे थे। इनके पास से तीन पिस्तौल, 30 कारतूस और भारी मात्रा में केमिकल बरामद किया गया है। एटीएस को जानकारी मिली है कि आतंकी हथियार जमा करने के लिए गुजरात आ रहे थे और इनकी योजना देश में कई जगहों पर हमले करने की थी। तीनों आतंकी दो अलग-अलग मॉड्यूल का हिस्सा हैं। एटीएस के रडार पर मौजूद आतंकी देश में किन जगहों पर हमला करने वाले थे, इसकी जाच शुरू कर दी गई है। गुजरात एटीएस दोपहर करीब 1:30 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आगे की जानकारी देगी।

गुवाहाटी के आसमान में भारतीय वायु सेना का रोमांचक हवाई प्रदर्शन

गुवाहाटी,09 नवम्बर 2025। भारतीय वायु सेना ने अपनी 93वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रविवार को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नद के ऊपर एक शानदार हवाई प्रदर्शन किया। इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य थे। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा,वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, पूर्वी वायु कमान के एओसी-इन-सी एयर मार्शल सुरत सिंह तथा वायु सेना और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस वर्ष के उत्सव का विषय रहा अचूक, अभेद्य व सटीक, जिसे हवाई प्रदर्शन के माध्यम से शानदार ढंग से प्रस्तुत किया गया। लाचित घाट के ऊपर उड़ान भरते विभिन्न फाइटर, ट्रांसपोर्ट विमानों और हेलीकॉप्टरों ने गुवाहाटी के आसमान को देशभक्ति के रंगों से भर दिया। कार्यक्रम में तेजस,लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर 'प्रचंड', सी-295 और हॉक जैसे आधुनिक विमानों ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। हार्वर्ड, सुखोई-30 और राफेल विमानों की अद्भुत एरोबेटिक कलाबाज़ियों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम का समापन सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के समन्वित हवाई प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भारत का भविष्य समुद्र से जुड़ा, हमारा जमीनी इलाका सीमित : सीडीएस चौहान

चंडीगढ़, 09 नवम्बर 2025। चंडीगढ़ में मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल में पहुंचे सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि भारतीय महासागर क्षेत्र में भारत की अहम स्थिति है। हम कई देशों के लिए सबसे पहले मदद करने वाले और पसंदीदा साझेदार हैं। भारत एक समुद्री और जमीनी दोनों तरह की ताकत है, लेकिन हमारा जमीनी इलाका सीमित है। हम पश्चिम में अफगानिस्तान की ओर नहीं बढ़ सकते, उत्तर में चीन की वजह से और पूर्व में म्यांमार के संघर्षों के कारण सीमित हैं। इसलिए भारत का भविष्य समुद्र से जुड़ा है।

मोदी-नीतीश की जोड़ी ही बिहार को विकसित बनाएगी : अमित शाह

पटना,09 नवम्बर 2025। मोदी-नीतीश की जोड़ी ही बिहार को विकसित बनाएगी। यही जोड़ी बिहार को देश के नंबर वन राज्य बनाएगी। जब केंद्र में मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और लालू की सरकार थी, तब आतंकवादी हमारी धरती पर अपनी मर्ज़ी से हमला करते थे। इसके उलट,अब हम आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मार रहे हैं। यह बातें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कही। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री ने राजग उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार के अंतिम दिन सासाराम, न्यू स्टेडियम में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थें। केंद्रीय गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि भविष्य में अगर पाकिस्तान के आतंकवादी फिर से हमला करने की हिम्मत करते हैं तो उनकी गोलियों का जवाब मोर्टार के गोले से दिया जाएगा। क्या आपको पता है कि ये मोर्टार गोले कहां बनाए जाएंगे? बिहार में, सासाराम में, क्योंकि मोदी यहां एक रक्षा गलियारा बनाने जा रहे हैं। अमित शाह ने कांग्रेस और राजद पर अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को रोकने की कोशिश करने के लिए भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहां 550 साल पहले मुगल सम्राट बाबर ने कथित तौर पर एक प्राचीन हिंदू मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। आज, मोदी के सत्ता में आने पर, उस स्थान पर एक आसमान छूता मंदिर बनाया गया है। मैं आपको चल रहे चुनावों के नतीजे पहले ही बता सकता हूं। यह राज्य में मेरी 37वीं रैली है और मैं कह सकता हूं कि लालू जी और उनके सहयोगियों का पहले चरण में ही सफाया हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 14 नवंबर को बिहार में कांग्रेस-लालू प्रसाद का सुपर साफ हो जाएगा और भारी बहुमत से एनडीए की सरकार बनने वाली है। उन्होंने लोगों से पूछा कि आपको कट्टा लहराने वाली सरकार चाहिए या पाकिस्तान पर गोली बरसाने वाली सरकार।

संघ को 3 बार बैन किया,तब मान्यता मिली : मोहन भागवत

बेंगलुरु,09 नवम्बर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि हमारे संगठन को व्यक्तियों के एक निकाय के रूप में मान्यता दी जाती है। संघ की 1925 में स्थापना हुई थी। क्या आपको लगता है कि ब्रिटिश सरकार इसका रजिस्ट्रेशन करती? असल में कांग्रेस आरोप लगाती है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बिना रजिस्ट्रेशन के ही चलने वाला संगठन है। भागवत ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य नहीं किया। हम लोगों के समूह की श्रेणी में आते हैं और हम एक जाना-माना संगठन हैं। इनकम टैक्स विभाग और अदालतें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लोगों का समूह मानती हैं। हमारे संगठन को इनकम टैक्स से छूट दी गई थी। भागवत ने कहा कि संगठन को तीन बार बैन किया गया। इसके बाद हमारे संगठन को मान्यता दे दी। अगर हम नहीं थे, तो किस पर प्रतिबंध लगाया? ऐसी कई चीजें हैं, जो रजिस्टर्ड नहीं है। हिंदू धर्म भी रजिस्टर्ड नहीं है। संघ भगवा झंडे को मानता है, तिरंगे को नहीं, इस मुद्दे पर भागवत ने कहा कि संघ में भगवा को गुरु मानते हैं, लेकिन हम तिरंगे का बहुत सम्मान करते हैं। भागवत ने यह बात विश्व संवाद केंद्र कर्नाटक में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं।

यूपी के गांजा तस्कर के घर 2 करोड़ कैश मिला,पुलिसवाले गिनते-गिनते थके

प्रतापगढ़,09 नवम्बर 2025। यूपी के प्रतापगढ़ में एक तस्कर के घर पर पुलिस ने जब छापा मारा, तो 2 करोड़ रुपए कैश मिले। पूरी रकम 100-50 और 20 रुपए के नोटों की थी। पुलिसवालों ने नोट गिनने शुरू किए, लेकिन कुछ ही देर में गिनते-गिनते थक गए। कई महिला पुलिसकर्मी तो पसीना तक पोंछने लगीं। इसके बाद पुलिस ने नोट गिनने की 4 मशीनें मंगाईं और उनसे काउंटिंग पूरी की। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नोटों का अंबार दिख रहा है। शनिवार सुबह करीब 9 बजे सीओ समेत पुलिस की 4 टीमें गांजा तस्कर राजेश मिश्रा के घर पहुंची। मुंदीपुर मानिकपुर के शातिर राजेश मिश्रा पर गांजा, स्मैक तस्करी समेत 14 केस दर्ज हैं। गैंगस्टर भी लगा है।

बिहार चुनाव : दूसरे फेज की 122 सीटों पर प्रचार थमा

नेपाल बॉर्डर 11 नवंबर तक सील,नीतीश बोले...लालू हटे तो पत्नी को सीएम बना दिया

पटना/नई दिल्ली,09 नवम्बर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे फेज की 122 सीटों पर रविवार शाम 5 बजते ही चुनाव प्रचार खत्म हुआ। इन सीटों पर वोटिंग 11 नंवबर को होनी है। 14 नवंबर को रिजल्ट आएगा। दूसरे चरण के मतदान से पहले भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है। बॉर्डर को 11 नवंबर की रात तक सील की गई। इस दौरान सीमा पर लोगों के आने-जाने पर रोक है। प्रचार के आखिरी दिन सीएम नीतीश कुमार कैमूर के चैनपुर में जमा खान के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंचे। लालू का बिना नाम लिए उन्होंने कहा- खुद हटे तो पत्नी को सीएम बना दिया। वे केवल परिवार का सोचते हैं।

तेजस्वी यादव ने रविवार को बिहार में कुल 16 जनसभाओं को संबोधित किया। राहुल गांधी ने किशनगंज और पूर्णिया में जनसभा की। वहीं यूपी के सीएम योगी ने भी 4 रैलियां कीं।

मीसा बोलीं- महागठबंधन के शपथ ग्रहण में पीएम को बुलाएंगे : आरजेडी सांसद और लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने कहा- महागठबंधन के शपथ में प्रधानमंत्री मोदी को भी बुलाएंगे। वो हमारे भी प्रधानमंत्री हैं। वहीं भाई तेजप्रताप की सिक्योरिटी बढ़ने पर कहा, ये सरकार का मामला है, वही जाने क्यों बढ़ाई है सुरक्षा। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा- लेशी सिंह ने आज जो कहा, उससे मैं हैरान हूँ। मैं उन्हें बहन जैसा मानता हूं। मैंने जिंदगी में कभी लोगों में फर्क नहीं किया। रात के 12 बजे संतोष कुशवाहा का फोन आया कि बाहर से आए अपराधी उन्हें घेरकर हमला कर रहे हैं।

मेरे हाइड्रोजन बम पर चुनाव आयोग और मोदी चुप क्यों : राहुल

किशनगंज में राहुल बोले...हमारे आरोप सही,इसलिए बोलती बंद है,ये वोट चोर हैं...

किशनगंज(बिहार),09 नवम्बर 2025। राहुल गांधी ने रविवार को किशनगंज में महागठबंधन के कैंडिडेट्स के समर्थन में सभा की। इस दौरान उन्होंने मोदी और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा, ये लोग हरियाणा,महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वोट चोरी कर के सरकार बना चुके हैं। बिहार में भी ये यही करने वाले हैं। उन्होंने पूछा, आपने हरियाणा वाला हाइड्रोजन बम देखा है या नहीं। मैंने इन लोगों को बोलती बंद दी है। मैंने आरोप लगाया कि मोदी और चीफ इलेक्शन कमिश्नर वोट चोरी कर रहे हैं। मोदी जी ने एक बार भी कहा कि राहुल गांधी झूठ बोल रहा है, मैं वोट चोरी नहीं कर रहा हूं। ज्ञानेश कुमार ने बोला। ये बोल नहीं सकते हैं। क्यों कि हमने जो आरोप लगाए हैं वो बिल्कुल सही हैं। बीजेपी के नेता 2-2 राज्यों में वोट कर रहे हैं। मोदी और अमित शाह चुनाव नहीं जीतते हैं वोट चोरी कर के चुनाव जीतते हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा, ये लोग अडाणी, अंबानी के लिए काम करते हैं। हम किसान और मजदूरों के लिए काम करते हैं। हम चाहते हैं युवाओं को रोजगार मिले वो आगे बढ़ें। आपके प्रधानमंत्री बिहार आए, उन्होंने आपसे क्या कहा। उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार में डेटा कम कर दिया है कि आप रील बना सकते हो। इंस्टाग्राम पर जा सकते हो। रील बनाने से सेल्फी लेने से आपके पास पैसे आएंगे क्या। जब आप इंस्टा और फेसबुक पर जाते हो तो अंबानी का पैसा बनता है। मोदी जी ने आपसे रोजगार की बात नहीं की। आपसे कहते हैं डेटा का दाम कम किया। इंस्टा, रील और फेसबुक आपका ध्यान भटकाने का तरीका है। ये सारे के सारे 21वीं सदी का नशा है। प्रधानमंत्री आपको रोजगार नहीं दे रहे हैं। ये आपको मुद्दों से भटका रहे हैं।

मोदी के खून में नफरत है : राहुल

राहुल ने लोगों से पूछा, आपका मूड कैसा है। हिंदुस्तान में 2 विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ आरएसएस जो जाति, भाषा, महिला-पुरुष। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी महागठबंधन जो देश को जोड़ना चाहता है। हर धर्म और जाति जोड़ना चाहता है। मैंने 4 हजार किलोमीटर यात्रा की। उसका एक ही मकसद था। नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना। वो कहते हैं नफरत फैलाना है। यही राजनीति चल रही है। नरेंद्र मोदी में उनके खून में उनकी सोच में नफरत है। वो बांटना चाहते हैं नफरत फैलाना चाहते हैं। मेरे खून में मोहब्बत है। हम दोनों में ये फर्क है। नफरत से उनको क्या मिलता है। इससे इनको देश का धन मिलता है। जनता का ध्यान भटकाते हैं। जनता को डराते हैं। जब जनता डरती है तो सही सवाल नहीं पूछती है। बिहार की राजनीति में 3-4 सवाल हैं। पहला देश के युवा को रोजगार क्यों नहीं मिल रहा है। दूसरा बिना शिक्षा कॉलेज के कैसे मिलेगा। तीसरा बिहार में यूनिवर्सिटी बेची जा रही है या बंद हो रही है। बिहार का युवा दूसरे प्रदेशों में मजदूरी कर रहा है।

राहुल बोले- मोदी को अडाणी-अंबानी पैसे देते हैं...

राहुल ने कहा, अडाणी-अंबानी मोदी के चेहरे का इस्तेमाल करते हैं। मोदी जी इनकी मदद करते हैं। आपकी जमीनें इन लोगों को देते हैं। बीजेपी के पास बहुत पैसा है। मोदी का चेहरा दिनभर टीवी पर चलता है। पैसा कहा से आ रहा है अडाणी-अंबानी जी से। उनके पास पैसे कहां से आता है आपकी जेब से। छोटे उद्योग को खत्म करने के लिए इन लोगों ने नोटबंदी की। हम चाहते हैं बिहार का युवा अपने फोन पर देखे मेड इन बिहार। जीएसटी मजदूर, किसान और छोटे व्यापारियों को खत्म करने के लिए लगाई गई।

परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जाति-जाति को लड़ाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव किया : योगी

सुपौल, 09 नवम्बर 2025। परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जाति-जाति को लड़ाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव किया और बिहार के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। जो आपकी जमीन हड़प गए, वे नौकरी क्या देंगे। पशुओं का चारा खाने वाले विकास की बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रहे हैं, लेकिन विकास, गरीब कल्याण व आस्था का सम्मान इनके एजेंडे में कभी नहीं था। बिहार के चुनावी रण में रविवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ छातापुर के लक्ष्मी रघुनाथ सिंह उच्च विद्यालय, भीमपुर में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान वह कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर खूब बरसे। सीएम ने बिहार को भक्ति, शक्ति व ज्ञान की धरा बताया, फिर कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली है। यह स्वर्णयुग लाने वाली धरा है, लेकिन कांग्रेस व राजद के पाप के कारण लोग बिहार को जंगलराज के रूप में जानने लग गए थे। जिस बिहार ने नालंदा विश्वविद्यालय देकर दुनिया को ज्ञानवान बनाया, वहां इन दोनों के शासनकाल में बिहार साक्षरता में सबसे नीचे चला गया था। यहां उमड़े जनसैलाब को देख सीएम ने कहा कि 14 नवंबर को जब ईवीएम खुलेंगे तो पूरे बिहार में फिर एक बार एनडीए सरकार का शंखनाद होगा। सीएम योगी ने मतदाताओं से कहा कि खानदानी लुटेरे झूठा आश्वासन देने आए हैं। यह खानदानी माफिया का समर्थन कर रहे हैं। योगी ने अपील की कि खानदानी माफिया को सत्ता में लाकर बिहार में फिर से जंगलराज नहीं लाने देना है। हमने यूपी में विकास से पहले सुरक्षा दी, तब बीमारू राज्य से उबर पाए। यूपी में सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए यमराज का टिकट पक्का कर दिया जाता है। यूपी में जब बुलडोजर चलता है तो सड़कें अच्छी बनती हैं, विकास की गति बढ़ती है, लेकिन माफिया की हड्डी-पसली एक हो जाती है। कोई दंगा-अराजकता फैलाने, धमकी देने का दुस्साहस नहीं कर सकता है। राजद के समय बिहार में 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, बेटी, बच्चे कोई भी सुरक्षित नहीं था। इन लोगों ने जंगलराज लाकर एक परिवार की बपौती बनाकर लूट-खसोट किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 20 वर्ष में बिहार में सुशासन की नींव स्थापित हुई। आज बिहार में हर सुविधाएं हैं। बिहार का युवा सिविल सर्वेंट बनकर देश में सेवाएं दे रहा। वह मल्टीनेशनल कंपनियों में जाकर और स्वयं का स्टार्टअप स्थापित करते हुए उद्यमी के रूप में नई पहचान बना रहा है।

संपादकीय

क्यूएस रैंकिंग ने दिखाई शिक्षा प्रशासन में सुधार की जरूरत

नवीनतम क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग उन चुनौतियों की ओर इशारा करती हैं जिनका सामना भारत को विश्व की सेवा क्षेत्र की राजधानी के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए करना पड़ रहा है। भारत दुनिया की अग्रणी कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्रों के लिए एक पसंदीदा स्थान के रूप में अपनी स्थिति को अपनी बढ़ती घरेलू बौद्धिक पूंजी का एक संकेतक मानता है। लेकिन वैश्विक उच्च शिक्षा का विश्लेषण करने वाली फर्म, क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा संकलित वार्षिक रैंकिंग से पता चलता है कि देश अपनी उच्च शिक्षा में गंभीर सुधार किए बिना इस मानव संसाधन पर भरोसा नहीं कर पाएगा। भारत ने न केवल सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाली उच्च शिक्षा प्रणाली के रूप में अपना शीर्ष स्थान चीन के हाथों गंवा दिया, बल्कि उसके कई प्रमुख संस्थानों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय गिरावट आई। इस वर्ष 137 भारतीय विश्वविद्यालयों ने इस सूची में प्रवेश किया, जिससे इसमें शामिल देश के विश्वविद्यालयों की कुल संख्या 294 हो गई। उच्च तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की चीन की ऊर्जावान और सक्षम नीति का अंदाजा इसके 261 संस्थानों के जुड़ने से लगाया जा सकता है जिससे वहां के संस्थानों की कुल संख्या 395 हो गई है। कोई भी भारतीय संस्थान शीर्ष 10 में जगह नहीं बना पाया। इसमें हॉन्ग कॉन्ग, चीन और वैश्विक नवाचार के उभरते केंद्र सिंगापुर के संस्थान रहे। भारत का शीर्ष प्रदर्शन करने वाला विश्वविद्यालय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली रहा लेकिन उसकी 59 वीं रैंकिंग पिछले वर्ष के 44वें स्थान से 15 पायदान नीचे है। आईआईटी बंबई 2025 में 48 से गिरकर 71 पर आ गया और आईआईटी खड़गपुर पिछले साल के 60 से गिरकर 77 पर पहुंच गया। मद्रास और कानपुर सहित सभी प्रमुख आईआईटी ने कम से कम 2021 के बाद से अपनी सबसे निचली रैंक दर्ज की। भारत की शीर्ष 10 रैंकिंग में शामिल सात संस्थानों में से केवल चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ही 120 से 109 पर पहुंचा है। कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर शीर्ष 100 में स्थान नहीं रखता है। हालांकि चीन के कई विश्वविद्यालय इसमें शामिल हैं, जिनमें 14वें स्थान पर पेकिंग विश्वविद्यालय है। विडंबना है कि यह खराब प्रदर्शन ऐसे समय में दिख रहा है, जब भारत सरकार ने पिछले एक दशक में उच्च शिक्षा में कई सुधार पेश किए हैं। इन सुधारों में, आईआईटी के लिए अधिक शासी स्वायत्तता, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए संसाधन जुटाने के मानदंडों में ढील, और विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश का रास्ता आसान बनाना शामिल है। लेकिन इनमें से किसी ने भी भारतीय विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन के लिए स्वदेश में ही रहने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार विदेश में पढ़ने वाले भारतीय विद्यार्थियों की संख्या इस साल 18 लाख तक पहुंच गई है, जो 2023 में 13 लाख थी। विदेश जाने में यह स्थिर वृद्धि शीर्ष भारतीय संस्थानों में उपलब्ध सीमित सीटों के साथ-साथ इन क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के कारण है। ये रुझान भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की गंभीर कमी की ओर इशारा करते हैं। इनसे यह भी पता चलता है कि केंद्रीय और राज्यों के विश्वविद्यालयों को शिक्षण मानकों और संसाधनों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह स्थिति केवल तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान पर केंद्रित संस्थानों की ही नहीं है, जिनके लिए क्यूएस रैंकिंग के मानदंड अनुकूल प्रतीत होते हैं, बल्कि कला और मानविकी के लिए भी ऐसा ही है। कला और मानविकी की उपेक्षा को कम करके नहीं आंका जा सकता। विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों में बढ़ते हस्तक्षेप और केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा विशिष्ट विचारधाराओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने के प्रयासों ने उच्च शिक्षा की ईमानदारी और गुणवत्ता को लगातार कमजोर किया है।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष के सियासी रंग,भारत अमेरिकी प्रभाव के दूरगामी परिणाम

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

भारतीय उपमहाद्वीप का यह त्रिकोण भारत,अफगानिस्तान और पाकिस्तान एशिया की भू-राजनीति का सबसे संवेदनशील और जटिल क्षेत्र है। यह केवल सीमाओं का नहीं बल्कि सभ्यताओं, संस्कृतियों और विचारधाराओं का संगम है। तीनों देशों के रिश्ते प्राचीन इतिहास से लेकर आधुनिक काल तक निरंतर बदलते रहे हैं। कभी यह सांस्कृतिक सेतु रहा,तो कभी वैचारिक युद्ध का मैदान। और आज,यह क्षेत्र वैश्विक शक्तियों, विशेषकर अमेरिका और ब्रिटेन के प्रभावों से भी गहराई से प्रभावित है।

अफगानिस्तान भारत की सांस्कृतिक परिधि का हिस्सा रहा है। गांधार,तक्षशिला, बामियान जैसे नाम इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भारत की बौद्ध और वैदिक परंपराएं सिंधु से काबुल तक प्रवाहित होती थीं। सम्राट अशोक के शिलालेख आज भी कंधार में मिलते हैं,और कुषाण काल की कला भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव की साक्षी है। परंतु समय के साथ जब तुर्क और मुगल आक्रमणों के लिए यही अफगानिस्तान मार्ग बना,तो यह सांस्कृतिक सेतु धीरे-धीरे संघर्ष की भूमि में बदल गया। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन ने इस भूगोल को अपनी सामरिक राजनीति का केंद्र बना लिया। उन्नीसवीं सदी के ग्रेट गेम में अफगानिस्तान रूस और ब्रिटेन के बीच बफर स्टेट घोषित हुआ, और 1893 में खींची गई दुर्रान रेखा ने पश्तून समुदाय को दो हिस्सों में बाँट दिया। यह सीमा आज भी अफगान-पाक संबंधों की सबसे बड़ी दरार है। 1947 में भारत के विभाजन ने इस त्रिकोण को निर्णायक रूप से बदल दिया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को प्रारंभ में मान्यता नहीं दी क्योंकि उसे अपने पश्तून क्षेत्रों की चिंता थी। वहीं भारत ने अफगानिस्तान के साथ अपने ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को बनाए रखा। पर ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा छोड़ी गई विभाजन की रेखाएँ दोनों के बीच अविश्वास के बीज बो गईं, जिनका असर आज तक है। इसके बाद शीतयुद्ध के काल में यह त्रिकोण वैश्विक शक्ति-संघर्ष का रणक्षेत्र बन गया। 1979 में सोवियत संघ के अफगानिस्तान प्रवेश के साथ अमेरिका ने पाकिस्तान को फ्रंटलाइन स्टेट बनाकर अफगान मुजाहिदीनों को हथियार और प्रशिक्षण दिया। पाकिस्तान की आई.एस.आई. को अमेरिकी डॉलर और सऊदी समर्थन मिला, जिससे आतंकवाद की वह संस्कृति पैदा हुई जिसने पूरे क्षेत्र को झुलसा दिया। भारत, जो सोवियत संघ का घनिष्ठ सहयोगी था, ने उस समय अफगानिस्तान की समाजवादी सरकार का समर्थन किया। इस प्रकार भारत-पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता को एक नया आयाम मिला,और अफगानिस्तान की धरती शीतयुद्ध की प्रयोगशाला बन गई। 1989 में सोवियत सेनाओं की वापसी और उसके बाद की अस्थिरता ने पाकिस्तान को अल्पकालिक सामरिक लाभ तो दिया, पर दीर्घकाल में वही आग उसकी सीमाओं के भीतर फैल गई। 1990 के दशक में अमेरिका के समर्थन से पनपा तालिबान शासन पाकिस्तान के प्रभाव में तो आया, पर उसने अफगान समाज को मध्ययुगीन अंधकार में धकेल दिया। फिर 2001 में 9/11 के हमलों ने अमेरिका को एक बार फिर अफगानिस्तान खींच लिया। अमेरिका ने तालिबान शासन को समाप्त कर लोकतांत्रिक सरकार स्थापित की, और इस बार भारत को पुनर्निर्माण में सहयोग का अवसर मिला। भारत ने अफगानिस्तान में सड़कों,स्कूलों,अस्पतालों,और संसद भवन का निर्माण कर वहाँ के जनमानस में विश्वास अर्जित किया। यह भारत की सॉफ्ट पावर का सबसे प्रभावी प्रदर्शन था। परंतु अमेरिकी नीति दोधारी तलवार साबित हुई। वह विकास के बजाय आतंकवाद को समाप्त करने पर केंद्रित रही, और उसकी दृष्टि अफगान समाज की आंतरिक संरचना को समझने में असफल रही। पाकिस्तान ने अमेरिका को सहयोगी बनाकर अरबों डॉलर प्राप्त किए, पर उसी दौरान उसने तालिबान को भी गुप्त समर्थन दिया। यह द्वंद्व 2021 में अमेरिकी वापसी के साथ उजागर हो गया, जब तालिबान पुनः सत्ता में लौट आया। अमेरिका की यह वापसी न केवल अफगानिस्तान के लिए,बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए अनिश्चितता की वापसी थी। पाकिस्तान को लगा था कि नया तालिबान शासन उसके अनुकूल होगा,पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के बढ़ते हमलों ने उसकी नीति को उलझन में डाल दिया। अब पाकिस्तान उसी आतंकवाद का शिकार है, जिसे उसने कभी रणनीतिक संपत्ति कहा था। भारत ने इस दौर में अत्यंत संयम और व्यावहारिकता दिखाई। उसने तालिबान शासन को औपचारिक मान्यता नहीं दी, पर मानवीय सहायता जारी रखी। भारत जानता है कि अफगानिस्तान की अस्थिरता का सीधा प्रभाव उसकी सुरक्षा पर पड़ेगा–विशेषतः कश्मीर और सीमा पार आतंकवाद के रूप में। इस परिस्थिति में भारत का उद्देश्य विकास और स्थायित्व को प्राथमिकता देना है, न कि सत्ता परिवर्तन में हस्तक्षेप करना।

दूसरी ओर, अमेरिका अब प्रत्यक्ष उपस्थिति के बजाय 'नियंत्रित अस्थिरता' की नीति अपनाए हुए है ताकि वह चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव को सीमित रख सके। यही कारण है कि अफगानिस्तान आज भी वैश्विक शक्ति-संतुलन का केंद्र बना हुआ है ब्रिटिश औपनिवेशिक मानसिकता और उसकी छोड़ी हुई राजनीतिक रेखाएँ अब भी इस त्रिकोण की दिशा निर्धारित करती हैं। पाकिस्तान की सैन्य और नौकरशाही संरचना ब्रिटिश शासन की ही उपज है, जिसमें धर्म को राजनीति का औजार बनाया गया। वहीं अफगानिस्तान की आंतरिक अस्थिरता, ब्रिटिश और बाद में अमेरिकी प्रयोगों की देन है। भारत इस त्रिकोण में एकमात्र ऐसा देश है जिसने बिना किसी औपनिवेशिक मानसिकता के, केवल विकास और सांस्कृतिक संवाद की नीति अपनाई। वह न तो पश्चिम की कठपुतली बना,न किसी सामरिक गठबंधन का मोहरा। वर्तमान में जब पाकिस्तान आर्थिक संकट और राजनीतिक अराजकता से जूझ रहा है, अफगानिस्तान तालिबान शासन के कठोर धार्मिक नियंत्रण में है,और अमेरिका इस पूरे क्षेत्र को अपने वैश्विक हितों की दृष्टि से देख रहा है, तब भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह शांति और विकास के माध्यम से इस क्षेत्र में स्थायित्व का संतुलन बनाए।

भारत की कूटनीति आज रणनीतिक स्वायत्तता की दिशा में है–न तो शीतयुद्ध की गुटनिरपेक्षता,न ही किसी महाशक्ति की अधीनता। यह त्रिकोणीय रिश्ता इतिहास की दृष्टि से जितना पुराना है, उतना ही जटिल भी।

इसमें विश्वास और भय, संस्कृति और सत्ता, विकास और आतंकवाद–सब साथ-साथ चलते हैं। यदि तीनों देश यह समझ लें कि स्थायित्व और समृद्धि का मार्ग पारस्परिक सम्मान और सहयोग से ही निकलेगा, तो दक्षिण एशिया विश्व की नई शांति-भूमि बन सकता है। पर यह तभी संभव है जब पाकिस्तान अपनी रणनीतिक गहराई की नीति त्यागे, अफगानिस्तान अपने नागरिकों के लिए स्थिर शासन दे, अमेरिका अपने सामरिक प्रयोगों से पीछे हटे,और भारत अपने नेतृत्व को विकास और संवाद के माध्यम से सार्थक बनाए। तब यह त्रिकोण संघर्ष का नहीं, सहयोग का प्रतीक बनेगा और इतिहास का यह भू-भाग एक बार फिर सभ्यता, करुणा और स्थायित्व की भूमि कहलाएगा।

विल्हेम रॉन्टजन को एक्स-रे का सर्वप्रथम वर्णन करने का श्रेय

प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में एक निश्चित मात्रा में विकिरण के संपर्क में आता है। रेडियोधर्मी पदार्थ प्राकृतिक रूप से हवा,मिट्टी,पानी,चट्टानों और वनस्पतियों में पाए जाते हैं। अधिकांश लोगों के लिए प्राकृतिक विकिरण का सबसे बड़ा स्रोत रेडॉन है। इसके अतिरिक्त, पृथ्वी पर लगातार ब्रह्मांडीय विकिरण,जिसमें एक्स-रे भी शामिल हैं,का आक्रमण होता रहता है। ये किरणें हानिरहित नहीं हैं, लेकिन इनसे बचना असंभव है,और विकिरण का स्तर इतना कम होता है कि इसके प्रभाव लगभग अदृश्य हो जाते हैं।

संजय गोस्वामी

विल्हेम रॉन्टजन को एक्स-रे का सर्वप्रथम वर्णन करने का श्रेय दिया जाता है। हड्डियों को देखने में मदद करने वाली एक्स-रे की खोज के कुछ ही हफ्तों बाद,चिकित्सा जगत में एक्स-रे का उपयोग शुरू हो गया। चिकित्सा प्रयोजनों के लिए एक्स-रे प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हनोवर के युवा एडी मैकार्थी थे,जो 1896 में कनेक्टिकट नदी पर स्केटिंग करते समय गिर गए थे और उनकी बाईं कलाई में फ्रैक्चर हो गया था। पायलटों, केबिन क्रू और अंतरिक्ष यात्रियों को ऊँचाई पर ब्रह्मांडीय किरणों के संपर्क में आने के कारण उच्च खुराक का अधिक खतरा होता है। हालाँकि, हवाई गतिविधि को कैंसर की बढ़ती घटनाओं से जोड़ने वाले बहुत कम अध्ययन हुए हैं। प्रकार एक मानक एक्स-रे छवि बनाने के लिए, रोगी या उसके शरीर के किसी भाग को एक एक्स-रे डिटेक्टर के सामने रखा जाता है और छोटी एक्स-रे तरंगों द्वारा प्रकाशित किया जाता है। चूँकि हड्डियों में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है, जिसका परमाणु क्रमांक उच्च होता है, एक्स-रे अवशोषित हो जाते हैं और परिणामी छवि में सफेद दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए, फेफड़ों में फँसी हुई कोई भी गैस,उनकी विशेष रूप से कम अवशोषण दर के कारण, काले धब्बों के रूप में दिखाई देती है।

रेडियोग्राफी : यह एक्स-रे इमेजिंग का सबसे प्रचलित प्रकार है। इसका उपयोग टूटी हुई हड्डियों, दांतों और छाती की छवि बनाने के लिए किया जाता है। रेडियोग्राफी में विकिरण की सबसे कम मात्रा का भी उपयोग होता है।

फ्लोरोस्कोपी : रेडियोलॉजिस्ट, या रेडियोग्राफर, रोगी की गति का वास्तविक समय में एक्स-रे देख सकता है और तस्वीरें ले सकता है। इस प्रकार के एक्स-रे का उपयोग बेरियम भोजन के बाद आंत की गतिविधि को देखने के लिए किया जा सकता है। फ्लोरोस्कोपी में मानक एक्स-रे की तुलना में ज़्यादा एक्स-रे विकिरण का उपयोग होता है, लेकिन फिर भी मात्रा बहुत कम होती है।

कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) : रोगी एक मेज़ पर लेटता है और एक वलय के आकार के स्कैनर में प्रवेश करता है। पंखे के आकार की एक्स-रे किरण रोगी के शरीर से होकर कई डिटेक्टरों तक पहुँचती है। रोगी धीरे-धीरे मशीन में जाता है ताकि 3ध्र छवि बनाने के लिए स्लाइस की एक श्रृंखला ली जा सके। इस प्रक्रिया में एक्स-रे की सबसे ज़्यादा मात्रा का उपयोग किया जाता है क्योंकि एक ही बार में बड़ी संख्या में छवियाँ ली जाती हैं। जोखिम एक्स-रे हमारे डीएनए में उत्परिवर्तन पैदा कर सकते हैं और इसलिए, आगे चलकर जीवन में कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसी कारण से, विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राज्य सरकार,दोनों द्वारा एक्स-रे को एक कार्सिनोजेन (विश्वसनीय स्रोत) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हालाँकि, एक्स-रे तकनीक के लाभ,इसके उपयोग के संभावित नकारात्मक परिणामों से कहीं अधिक हैं। अनुमान है कि अमेरिका में 0.4 प्रतिशत कैंसर सीटी स्कैन के कारण होते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चिकित्सा प्रक्रियाओं में सीटी स्कैन के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ यह स्तर भी बढ़ेगा। 2007 में अमेरिका में कम से कम 6.2 करोड़ सीटी स्कैन किए गए। एक अध्ययन के अनुसार,75 वर्ष की आयु तक, एक्स-रे से कैंसर का खतरा 0.6 से 1.8 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। दूसरे शब्दों में, चिकित्सा इमेजिंग के लाभों की तुलना में जोखिम नगण्य हैं। प्रत्येक प्रक्रिया का एक अलग जोखिम होता है जो एक्स-रे के प्रकार और शरीर के जिस हिस्से की इमेजिंग की जा रही है, उस पर निर्भर करता है। नीचे दी गई सूची कुछ अधिक सामान्य इमेजिंग प्रक्रियाओं को दर्शाती है और विकिरण खुराक की तुलना सामान्य पृष्ठभूमि विकिरण से करती है जिसका सामना सभी लोग दैनिक आधार पर करते हैं। विभिन्न एक्स-रे प्रक्रियाएं अलग-अलग मात्रा में विकिरण उत्सर्जित करती हैं।

छाती का एक्स-रे : 2.4 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर खोपड़ी का एक्स-रेः 12 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर काठ का रीढ़ः 182 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर IV यूरोग्रामः 1 वर्ष के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर ऊपरी जठरांत्र परीक्षणः 2 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर बेरियम एनीमाः 2.7 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर सिर का सीटी स्कैनः 243 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर पेट का सीटी स्कैनः 2.7 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर। ये विकिरण आँकड़े वयस्कों के लिए हैं। बच्चे एक्स-रे के रेडियोधर्मी प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। दुष्प्रभाव हालाँकि एक्स-रे कैंसर के थोड़े बढ़े हुए जोखिम से जुड़े हैं, लेकिन अल्पकालिक दुष्प्रभावों का जोखिम बहुत कम है। उच्च विकिरण स्तर के संपर्क में आने से कई तरह के प्रभाव हो सकते हैं;जैसे उल्टी, रक्तस्राव, बेहोशी,बालों का झड़ना,और त्वचा व बालों का झड़ना। हालांकि,एक्स-रे विकिरण की इतनी कम खुराक प्रदान करते हैं कि माना जाता है कि इनसे कोई तत्काल स्वास्थ्य समस्या नहीं होती। लाभ यह तथ्य कि चिकित्सा में एक्स-रे का उपयोग इतने लंबे समय से किया जा रहा है, यह दर्शाता है कि इन्हें कितना लाभकारी माना जाता है। हालाँकि किसी बीमारी या स्थिति का निदान करने के लिए केवल एक्स-रे ही पर्याप्त नहीं होता, फिर भी ये निदान प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। कुछ मुख्य लाभ इस प्रकार हैंः गैर-आक्रामकः एक्स-रे किसी चिकित्सीय समस्या का निदान करने या रोगी की शारीरिक जाँच किए बिना ही उपचार की प्रगति की निगरानी करने में मदद कर सकता है। मार्गदर्शनः एक्स-रे चिकित्सा पेशेवरों को रोगी के अंदर कैथेटर, स्टेंट या अन्य उपकरण डालते समय मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।

ये ट्यूमर के उपचार और रक्त के थक्कों या अन्य समान रुकावटों को दूर करने में भी मदद कर सकते हैं। अप्रत्याशित खोजः एक्स-रे कभी-कभी ऐसी विशेषता या विकृति दिखा सकता है जो इमेजिंग के प्रारंभिक कारण से अलग हो। उदाहरण के लिए, हड्डी में संक्रमण, उन क्षेत्रों में गैस या तरल पदार्थ जहाँ ये नहीं होने चाहिए, या कुछ प्रकार के ट्यूमर। सुरक्षा जोखिमों को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है। एक औसत सीटी स्कैन घातक कैंसर की संभावना को 2,000 में से 1 तक बढ़ा सकता है। यह आँकड़ा अमेरिका में घातक कैंसर की प्राकृतिक घटना (5 में से 1) की तुलना में बहुत कम है। इसके अतिरिक्त, इस बात पर भी बहस चल रही है कि क्या बहुत कम एक्स-रे एक्सपोज़र से कैंसर हो सकता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी में प्रकाशित इस मामले पर एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एक्स-रे प्रक्रियाओं में कोई जोखिम नहीं है। इस शोधपत्र में तर्क दिया गया है कि स्कैन में अनुभव किए जाने वाले विकिरण का प्रकार दीर्घकालिक क्षति पहुँचाने के लिए पर्याप्त नहीं है। लेखकों का दावा है कि कम खुराक वाले विकिरण से होने वाले किसी भी नुकसान की शरीर द्वारा मरम्मत कर ली जाती है, जिससे कोई स्थायी परिवर्तन नहीं होता। केवल एक निश्चित सीमा तक पहुँचने पर ही स्थायी क्षति हो सकती है। लेखकों के अनुसार, यह सीमा किसी भी प्रकार के स्कैन से प्राप्त मानक एक्स-रे खुराक से कहीं अधिक है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये सुरक्षा तथ्य केवल वयस्कों पर लागू होते हैं।

कमलेश झा
नगरपारा भागलपुर बिहार

धीरे-धीरे

बनाया है ये घर... बड़े जतन से–धीरे... धीरे...
सजाया है ये ख्वाबों का महल,धीरे... धीरे...

कभी आँधी ने तोड़ा, कभी बारिश ने भिगोया...
पर खड़ा रहा मैं अपने ईमान पर...धीरे-धीरे।

हर ईंट में... पसीने की बूंदें समाई हैं,
हर दीवार में...बस गए हैं अरमान... धीरे-धीरे।

न था कोई सहारा, न कोई हमसफ़र,
चल पड़ा मैं... बस विश्वास पर... धीरे-धीरे।

कभी टूटी उम्मीदें, कभी थमे अरमान,
फिर भी जोड़ा मैंने...हर सपना समान...धीरे-धीरे।

दीवारें गवाह हैं...मेरे सब्र कहानियों की,
छत पे टँगी हैं...मेरी दुआएँ और निशान...धीरे-धीरे।

न लकड़ी की बात थी,न पत्थर की पहचान,
ये तो दिल से गढ़ा गया...ईमान...धीरे-धीरे।

कभी आँसू से भीगी थी मिट्टी इसकी,
कभी मुस्कान से खिला था...कमल...धीरे-धीरे।

थक कर भी जलाए...उम्मीदों के दीप,
हर दीवार में गढ़ा है...संघर्ष का सफर...धीरे-धीरे।

हर कोने में बसी है...किसी याद की खुशबू,
हर खिड़की से झाँकता है...एक जहान...धीरे-धीरे।

अब जब रोशनी से महका है ये आशियाना,
तो याद आता है–हर अँधेरा...और पल...धीरे-धीरे।

ये घर नहीं...मेरी रूह का आईना है,
जहाँ बसते हैं...मेरे सपने और सफ़र...धीरे-धीरे।

अब जब सजा है ये आशियाना उजालों से,
तो लगता है –सफ़र था एक इम्तिहान...धीरे-धीरे।

जो समझे मेरे घर की ख़ामोशी को,
वो जाने–कैसे गढ़ी हैं कहानियाँ...धीरे-धीरे।

और अब जब...यह घर रोशनी में नहा उठा है,
तो लगता है–मिल गया भगवान...धीरे-धीरे।

आदमी खुद ही कुत्ता हो जाए,तो क्या कीजियेगा?

आत्माराम यादव

जब दुनिया बनी तब परमात्मा ने सभी जीव जंतु,पशु पक्षी और आदमी के बीच संवाद के लिए बातचीत का खुला विकल्प रखा और सभी वर्ग के जीवो से आदमी बातचीत कर लिया करते था जिसमे देवता भी शामिल थे। देवताओ ने अमृतपान कर लिया था इसलिए उनके मरने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता, जन्म मरण के चक्कर में आदमी,दैत्य,असुर,नाग किन्नर सहित शेष जीव जंतु, जानवर पेड़ पौधे और वनस्पति थे। पुराणों के अनुसार एक बार देवताओं के द्वारा किया जाने वाला यज्ञ निर्विघ्न सम्पन्न हो इसके लिए देवताओं के आग्रह पर कामधेनु गाय ने अपनी पौत्र पौत्रियारूपी गायों को आवश्यकता अनुसार दूध, दही,घी आदि की आपूर्ति हेतु देवताओं को सौपा। सभी देवता यज्ञ में लग गए तब गायों की सुरक्षा के लिए यमराज ने अपनी परम शक्तिशाली और वायु की गति से तेज दौड़ने वाली यमलोक की प्रिय कुतिया सरमा और उसके दोनों पुत्र अक्ष और चतुर नामक कुत्तों को लगाया, जिन्होंने असुरों के भोज्य को ग्रहण कर यज्ञ खंडित कर दिया तब इन देवराज इंद्र ने सरमा सहित उसके बेटे कुत्तों को श्राप दिया की अब तुम्हारा जन्म मृत्युलोक में हो और कभी भी भरपेट भोजन न मिले, यातनाये सहते कुत्ते की योनि में ही जन्म मिले । अग्निदेव ने कुपित होकर असुरों का झूठा और मांसमिला यज्ञ कुंड की आहुति का भोग लगाने के लिए श्राप दिया की किसी भी पशु को वाणी न मिले और वे अपने सुख दुःख पीड़ा को व्यक्त न कर सके तभी से इस नश्वर संसार में कुत्ते श्रापित जीवन जीने को विवश है। कुत्तों की यह दशा क्यों और कैसे हुई इससे अनभिज्ञ आदमी, आदमियत से उब गया है और खुद को कुत्ता बनाने की होड़ में लग गया है।

सच तो यह है कि आदमी,आदमी होने के लिए पैदा हुआ है और जियो और जीने दो का सूत्र अपनाकर वसुधैव कुटुम्बकम, अहिंसा परमो धर्म सादा जीवन उच्च विचार,जैसे भारतीय दर्शन का अनुसरण करता है। आदमी सामाजिक प्राणी होने से सभी के प्रति संवेदनशील होता है और हर असुंदर का विरोध कर हर सुंदर को और अधिक सुंदर बनाने के लिये उसे सजाता सँवारता रहता है। आदमी के भीतर समाज को स्वस्थ, सुंदर एव नूतन बनाये रखने की असाधारण शक्ति छिपी है। दानव का भी ह्रदय परिवर्तन कर आदमी बनाने की अनुपम कला उसके पास है वहीं इसके विपरीत आदमियत को त्यागकर अपने को सामाजिक प्राणी की परिधि से बाहर निकाल पशुवत शक्ति का प्रयोग कर वह पलक झपकते पशु भी हो जाता है। आज आप अपने आसपास जहाँ देखते हो वहा तुम्हे आदमी नही मिलते, जो दिखाई देते है वे आदमी होने का ढोंग कर रहे आधे-अधूरे आदमी होते है । आदमी को आदमी बनाये रखना विश्व कल्याण की भावना को जिन्दा रखने के लिए आवश्यक है ताकि आदमी अप संस्कृति के विरुद्ध लड़ाई लड़ सके,लेकिन मुढ़तावश जब आदमी खुद पशु होने को राजी हो जाए,तब उसके पशु हो जाने पर पशुओं के स्वभावगत हिंसात्मक आचरण से वह खुद को बचा नही सकता है। आदमी की उँगलियों से निकलने वाले नाखून हिंसा के प्रतीक है वही पशुओं के पैर उनके खुर और पंजे होते है, उनके द्वारा आत्मरक्षार्थ हिंसा,हिंसा नही होती किन्तु आदमी पशुता का आवरण धारण कर ले तो तो उसका हर कदम हिंसात्मक ही होगा। आज आदमी का पशु बनना उसकी पशुवत संकृति और संस्कारों का हिस्सा बनता जा रहा है और ये ही विकार अधिकांश आदमियों के लिए हिंसात्मक हो रहे है, दुर्भाग्य यह है कि आदमी पूरी सावधानी से अपनी पशुता को छिपा कर भरपूर ताकत दिखाकर खुद के आदमी होने की घोषणा कर रहा है ।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली

ललित गर्ग

भारत की शिक्षा प्रणाली को लेकर समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। शिक्षा की विसंगतियों एवं दबावों के चलते भी अनेक सवाल खड़े हैं। इन्हीं से जुड़ा यह एक बेहद हृदय विदारक और चिंताजनक तथ्य है कि एक वर्ष देश में लगभग 14,000 स्कूली बच्चों ने आत्महत्या कर ली। इस तथ्य की पुष्टि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) भी कर रही है। अधिक घातक तथ्य यह है कि बीते एक दशक में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2019 की तुलना में यह संख्या 34 प्रतिशत अधिक है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा?

आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ सफलता का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को प्रदर्शन की प्रतियोगिता बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय?-ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है।

एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया। आज की शिक्षा बच्चों को केवल जानकार बना रही है, ज्ञानी नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा प्रतियोगिता का उद्योग पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

सुविचार

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

बलरामपुर में हिरासत में युवक की मौत से मचा बवाल

परिजनों ने लगाया पिटाई का आरोप,पुलिस ने बीमारी बताई वजह

-संवाददाता-
बलरामपुर,09 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में एक बार फिर पुलिस हिरासत में मौत का मामला सामने आया है। ग्राम दहेजवार स्थित धनंजय ज्वेलर्स में हुई बड़ी चोरी के एक आरोपी की रविवार अलसुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस का दावा है कि युवक को सिकलसेल बीमारी थी और उसी की वजह से रास्ते में उसकी तबीयत बिगड़ गई,जबकि मृतक के परिजन इसे पुलिस पिटाई का नतीजा बता रहे हैं। इस घटना के बाद जिले में तनाव का माहौल है और किसी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। बलरामपुर के दहेजवार चौक स्थित धनंजय ज्वेलर्स में 30 अक्टूबर की रात दो बाइकों पर सवार छह चोरों ने धावा बोला था। सीसीटीवी फुटेज में कैद इस गिरोह ने दुकान का शटर तोड़कर लाखों रुपए के सोने-चांदी के गहने और 3.5 लाख नकद लेकर फरार हो गए थे। फुटेज के आधार पर पुलिस ने छानबीन शुरू की और कुछ ही दिनों में 5 चोर और 4 खरीदारों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार, चोरी में शामिल आरोपियों में से अधिकांश बलरामपुर और सरगुजा क्षेत्र के हैं। पकड़े गए लोगों में सीतापुर के ग्राम नकना निवासी उमेश सिंह (19 वर्ष) भी शामिल था। चोरी के गहनों की खरीद-बिक्री से जुड़े अंबिकापुर और जशपुर के कुछ लोग भी गिरफ्तार किए गए थे।

हिरासत में तबीयत बिगड़ने का दावा

पुलिस का कहना है कि उमेश सिंह को बरामदगी के लिए सीतापुर ले जाया गया था। वहां से लौटते समय उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। टीम ने उसे बलरामपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रविवार सुबह करीब 4 बजे भर्ती कराने के आधे घंटे बाद ही उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, पर प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उमेश को सिकलसेल एनीमिया था, जिससे उसकी हालत बिगड़ी।

पुलिस ने पीटा,बीमारी नहीं थी...

मृतक के परिवार ने पुलिस के दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। अस्पताल पहुंचे उमेश सिंह की मां अगरमती सिंह, बहन और भाभी का कहना है कि उमेश बिल्कुल स्वस्थ था और उसे किसी तरह की बीमारी नहीं थी। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उसकी हाथ बांधकर बेरहमी से पिटाई की, जिससे उसके मुंह से खून निकल रहा था। उन्होंने बताया कि परिजनों को हिरासत में रखे उमेश से मिलने तक नहीं दिया गया। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

9 आरोपी गिरफ्तार,एक अब भी फरार

पुलिस के मुताबिक, धनंजय ज्वेलर्स चोरी प्रकरण में कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें से 5 मुख्य आरोपी शिवकुमार, सूरज सिंह, वेद सिंह, उमेश सिंह और सूर्या गिरी—चोरी की घटना में शामिल थे, जबकि 4 अन्य लोग चोरी के गहने खरीदने या बेचने में शामिल पाए गए। चोरी के दौरान उपयोग की गई दो मोटरसाइकिलों (अपाचे और पल्सर), 234 ग्राम सोना, 12 किलोग्राम चांदी, साढ़े तीन लाख रुपए नकद, दो सेकेंड हैंड आईफोन, एक स्कूटी और चोरी के गहनों से खरीदी गई बाइक समेत करीब 50 लाख रुपए का माल बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, यही गिरोह 22 अक्टूबर को सूरजपुर की एक ज्वेलरी दुकान में भी चोरी कर चुका था।

तनाव के बीच पुलिस बल की तैनाती : घटना के बाद बलरामपुर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई है। कोतवाली और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस प्रशासन इस मामले को लेकर बेहद सतर्क है क्योंकि एक साल पहले भी बलरामपुर कोतवाली में एक आरोपी की संदिग्ध मौत हुई थी, जिसके बाद लोगों ने थाने और अस्पताल परिसर में पथराव कर दिया था। उसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए इस बार प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा बढ़ा दी है।

पुलिस की छवि पर फिर सवाल : हिरासत में उमेश सिंह की मौत ने एक बार फिर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिछली घटनाओं की तरह इस बार भी सवाल यह है कि क्या पुलिस ने पूछताछ की आड़ में सख्ती की हद पार कर दी, या फिर यह वास्तव में एक चिकित्सकीय मामला था। सिविल सोसायटी और स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि युवक बीमार था तो उसे हिरासत में रखने से पहले मेडिकल जांच करानी चाहिए थी। वहीं पुलिस का कहना है कि सभी कार्रवाई कानूनन तरीके से की गई थी।

जांच और कार्रवाई की मांग : इस मामले ने प्रशासन को भी सतर्क कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, बलरामपुर एसपी ने मैजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

बृहस्पति सिंह के आरोप बेबुनियाद कांग्रेस पदाधिकारियों ने किया खंडन

सह-प्रभारी पर लगाए आरोप निरर्थक, कांग्रेस ने मांगी कानूनी कार्रवाई

-संवाददाता-
कुसमी,09 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शंकरगढ़ के अध्यक्ष विजय पैकरा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों ने थाना कुसमी में आवेदन देकर राष्ट्रीय सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश की सह-प्रभारी श्रीमती जरिता लैतफ़लांग पर लगाए गए, छह लाख रुपये मांगने के आरोप को पूरी तरह निराधार बताया है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि पूर्व विधायक एवं कांग्रेस से निष्कासित बृहस्पति सिंह ने जिला अध्यक्ष बनाए जाने के एवज में पांच से छह लाख रुपये की मांग का आरोप लगाया था,जो तथ्यहीन और भ्रामक है। इस संबंध में जिला अध्यक्ष के.पी. सिंह देव ने प्रेस वार्ता के माध्यम से मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बृहस्पति सिंह लगातार वरिष्ठ नेताओं और संगठन की छवि धूमिल करने वाले बयान दे रहे हैं। इससे पहले भी वे प्रभारी शैलजा जी सहित कई शीर्ष नेताओं पर मनगढ़ंत आरोप लगा चुके हैं। ऐसे लोगों के बयानों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वे व्यक्तिगत लाभ और भ्रम फैलाने की राजनीति करते हैं। वरिष्ठ आदिवासी नेता राजेंद्र भगत ने भी बृहस्पति सिंह की बयानबाजी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उनके हालिया बयान लोकतांत्रिक मर्यादा से परे हैं। वे कभी महाराज टी.एस. सिंहदेव की प्रशंसा करते हैं और कुछ क्षण बाद ही उलटे आरोप लगाने लगते हैं। यह उनके अस्थिर और भटके हुए राजनीतिक रुख का संकेत है। उन्होंने कहा कि 'सामंत' जैसे शब्दों का गलत प्रयोग यह दर्शाता है कि उन्हें अपनी ही टिप्पणी का अर्थ समझ नहीं आता। जिन पर वे टिप्पणी कर रहे हैं। सरगुजा रियासत टी.एस. सिंहदेव राजा नहीं बल्कि जनता के सेवक है, सरगुजा की पहचान जनता के सेवक हैं, आरोप स्पष्ट रूप से भ्रम फैलाने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हैं, जिन्हें कांग्रेस पूरी तरह खारिज करती है। कांग्रेसी पदाधिकारियों ने पुलिस थाना कुसमी में ज्ञापन सौंपकर इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने एवं बृहस्पति सिंह पर लगाए गए झूठे आरोपों के लिए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन सौंपने वालों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विजय पैकरा, जिलाध्यक्ष के.पी. सिंह देव, नगर पंचायत कुसमी अध्यक्ष राजेंद्र भगत, चांदों ब्लॉक अध्यक्ष अब्दुला, कांग्रेस नेता अरुण गुप्ता, युवा मजबूत नेता मुद्दसिर इराकी, सहित संगठन के कई पदाधिकारी शामिल है।

भाजपा संगठन ने शुरू किया एसआईआर-2025 गहन पुनरीक्षण अभियान का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम

लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर कार्यकर्ता निभाए सक्रिय भूमिका : प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भाजपा कार्यालय संकल्प भवन अंबिकापुर में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी की उपस्थिति में आज निर्वाचन विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर-2025 हेतु समलाया मंडल का एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुआ। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि निर्वाचन विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2025) केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि लोकतंत्र को सशक्त करने का सामूहिक अभियान है। मतदाता सूची की शुद्धता ही चुनाव की निष्पक्षता की बुनियाद होती है,और इस कार्य में भारतीय जनता पार्टी सदैव अग्रणी भूमिका निभाती आई है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता 'बूथ ही शक्ति है' के मंत्र को आत्मसात करते हुए कार्य करे। प्रत्येक बूथ पर सही मतदाता सूची बनाना, छूटे हुए पात्र मतदाताओं को जोड़ना, और मृत अथवा स्थानांतरित नामों को हटवाना हम सबकी जिम्मेदारी है। यह केवल चुनावी तैयारी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक कर्तव्य का निर्वहन है। श्री सोनी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि हर शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर टीमवर्क की भावना से काम करें। कार्यकर्ता घर-घर जाएं, लोगों से संवाद करें, उन्हें मतदान के महत्व से अवगत कराएं और नए मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने का कार्य पूर्ण मनोयोग से करें। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल राजनीतिक कार्य नहीं करता, वह समाज का मार्गदर्शक भी है। एसआईआर-2025 अभियान को जन-जागरूकता अभियान की तरह चलाकर हम लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत बना सकते हैं। संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता इस कार्य को अपने कर्तव्य और राष्ट्रसेवा का हिस्सा माने। अंत में उन्होंने जिला एवं मंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक बूथ तक प्रशिक्षण का विस्तार किया जाए, जिससे सभी कार्यकर्ताओं को एसआईआर प्रक्रिया की सटीक जानकारी मिले और आने वाले चुनावों में संगठन का बूथ-स्तरीय ढांचा और अधिक सुदृढ़ हो। इस अवसर पर कार्यशाला सह प्रभारी अनिल अग्रवाल ने कहा कि गहन पुनरीक्षण के दौरान प्रत्येक बीएलए-2 और बूथ प्रभारी को मतदाता सूची के प्रत्येक बिंदु पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य किसी भी योग्य मतदाता को सूची से वंचित न रहने देना है। जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा सदैव अनुशासन और पारदर्शिता के लिए जानी जाती है। एसआईआर-2025 अभियान में भी यही भाव हम सभी को लेकर आगे बढ़ना है। कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं, उनकी सक्रियता ही भाजपा की सफलता का आधार है। इस अवसर पर जनमेजय मिश्रा एवं अभिषेक शर्मा ने एसआईआर-2025 की तकनीकी प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी,वहीं वंदेमातरम् गीत की प्रस्तुति संतोष दास ने दी। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री अजय सोनी ने किया एवं आभार अभिषेक सिंहदेव ने व्यक्त किया। कार्यशाला में जिला महामंत्री अरुणा सिंह,पार्षद मनीष सिंह,संवाद प्रमुख रुपेश दुबे, पार्षद रविन्द्र गुप्त भारती,दीपक सिंह तोमर,सरिता मिश्रा , सर्वेश तिवारी, सतीष शर्मा,अनीता सिंह, इंदु नेताम, शैलेंद्र शर्मा,आशीष पाण्डेय,रोहित कुशवाहा, आलोक दास,संदीप साहू, शालनी सिंह, सीमा कश्यप,इंदु गुप्ता,अर्चना सिंह सहित मंडल,मोर्चा प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, सचिव, बीएलए-2 एवं नगर के पार्षदगण उपस्थित रहे।

घाटबर्रा जंगल में पेड़ कटाई विवाद पर भानु प्रताप सिंह ने भूख हड़ताल तोड़ा

एसडीएम ने बिस्कुट-पानी पिलाकर समाप्त कराया अनशन

-संवाददाता-
उदयपुर,09 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

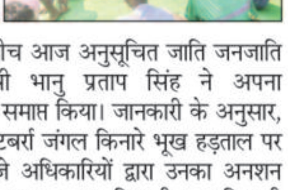

विकासखंड उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत घाटबर्रा के जंगल में हुई पेड़ों की कटाई को लेकर चल रहे विवाद के बीच आज अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह ने अपना अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल समाप्त किया। जानकारी के अनुसार, भानु प्रताप सिंह शनिवार से घाटबर्रा जंगल किनारे भूख हड़ताल पर बैठे थे। आज शाम 4:51 बजे अधिकारियों द्वारा उनका अनशन तुड़वाया गया। इस दौरान उदयपुर अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) बन सिंह नेताम एवं तहसीलदार विकास जिंदल घटनास्थल पर पहुंचे और उनसे चर्चा की। अधिकारियों द्वारा उनकी बातों को गंभीरता से सुनने और कार्रवाई का आश्वासन देने के बाद एसडीएम बन सिंह नेताम ने बिस्कुट और पानी पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया। भानु प्रताप सिंह ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि घाटबर्रा क्षेत्र में लगभग 850 हेक्टेयर शासकीय भूमि, जिस पर ग्रामीण किसान वर्षों से खेती कर रहे हैं, उसे प्रशासन द्वारा जीरो कर दिया गया है। उन्होंने मांग की है कि इस भूमि को पुनः दुरुस्त कर घाटबर्रा ग्राम पंचायत को उचित मुआवजा राशि दिलाई जाए।

अंबिकापुर में नवंबर में पारा गिरा,36 साल बाद 8.2 डिग्री तापमान दर्ज,ठंड का असर बढ़ा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के अंबिकापुर में नवंबर महीने की शुरुआत के साथ ही ठंड ने अपनी दस्तक दे दी है। पिछले कुछ दिनों में तापमान में तेज गिरावट देखी गई है, जिससे शहरवासियों को सर्दी से राहत मिलती नहीं दिख रही। 9 नवंबर को अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 36 वर्षों में पहली बार 9 नवंबर को इतना कम हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, अंबिकापुर में नवंबर महीने में तापमान गिरने का यह नया रिकॉर्ड है। 1969 से लेकर 2025 तक के मौसम आंकड़े बताते हैं कि इससे पहले 1989 में 9 नवंबर को तापमान 7.9 डिग्री तक गिरा था, जो अब तक का रिकॉर्ड था। इसके बाद 36 वर्षों तक ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिला, जब 9 नवंबर को तापमान इतना गिरा हो। मौसम विभाग ने पहले ही चेतावनी दी थी कि मोंथा तूफान के बाद इस साल कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। इसका असर अब धीरे-धीरे साफ दिखाई देने लगा है। अंबिकापुर में दिन में खिली धूप के बावजूद सुबह, शाम और रात में ठंड की लहर बढ़ गई है।

अब कबड्डी खेल प्रतिभाओं को मिलेगी उच्च स्तरीय कोचिंग जिला स्तरीय प्रतिभा खोज कबड्डी प्रतियोगिता का सफल समापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिला कबड्डी संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के कुल 35 टीमों ने भाग लिया, जिनमें 18 बालक वर्ग एवं 17 बालिका वर्ग की टीमें शामिल रहीं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें उच्च स्तरीय कोचिंग प्रदान करना है ताकि वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। संघ की चयन समिति द्वारा खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर बालक वर्ग की दो टीम एवं बालिका वर्ग की दो टीमों का चयन किया गया है, जिन्हें आगामी प्रशिक्षण शिविर में विशेष कोचिंग दी जाएगी। प्रतियोगिता परिणाम बालिका वर्ग - प्रथम स्थान मिक्स टीम 'बी' व द्वितीय स्थान नवापारा उदारी जबकि बालक वर्ग प्रथम स्थान मिक्स टीम 'ए' व द्वितीय स्थान मिक्स टीम 'बी' रहा। व्यक्तिगत पुरस्कार में महिला वर्ग बेस्ट ऑल राउंडर मधु गुप्ता, बेस्ट रेडर मोनिशा बाकल, बेस्ट कैचर दीपिका व पुरुष वर्ग बेस्ट ऑल राउंडर अरविंद, बेस्ट रेडर शेर सिंह, बेस्ट कैचर रामाधार रहें। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजेश अग्रवाल पुलिस अधीक्षक, सरगुजा, विश्व विजय सिंह तोमर अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ युवा आयोग व अध्यक्ष जिला कबड्डी संघ सरगुजा, विकास पांडेय पार्षद, सोमनाथ सिंह, समाजसेवी गोल्डी बिहाड़े, अमितेश पांडेय सचिव जिला कबड्डी संघ सरगुजा, प्रदीप गुप्ता कोषाध्यक्ष जिला कबड्डी संघ, निशांत सिंह गोल्डी सह सचिव जिला कबड्डी संघ, राजेश प्रताप सिंह तकनीकी अधिकारी जिला कबड्डी संघ, गोल्डी छाबड़ा, शांनु कश्यप, अजय सिंह, अंजनी दुबे, रजत सिंह, सुनैना जायसवाल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा प्रथम आए खिलाड़ियों को 10000 रुपए नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी मेडल दिया गया एवं द्वितीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को 7000 नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी मेडल प्रदान किया गया।

बसंतपुर पुलिस के पंजे में आया गांजा तस्कर

ट्रैक्टर में 117 किलो ग्राम गांजा की तस्करी करने वाले तस्कर पर एन डी पी एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा न्यायिक अभिरक्षा में जेल

-संवाददाता-
बसंतपुर,09 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के बसंतपुर पुलिस के पंजे में आया गांजा तस्कर,ट्रैक्टर ट्राली के नीचे 117 किलो गांजा जिसकी अनुमानित कीमत दो लख रूपये थी को आरोपी तस्कर तस्कर को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 204/2025 धारा 20 (बी) (ii) (सी) एनडीपीएस एक्ट आरोपी राहुल कुमार यादव पिता लक्ष्मण यादव उम्र 29 वर्ष निवासी वंशराज बिगहा थानानासरिगंज जिला रोहताश (बिहार) के ऊपर अपराध पंजीबद्ध कार भेजा न्यायिक रिमांड पर, जानकारी के अनुसार पुलिस को विश्वसनीय मुखबीर से सुचना मिला कि एक व्यक्ति लाल रंग के महिन्द्रा ट्रेक्टर में हाईड्रोलिक ट्राली लगा है जो पीला ग्रे रंग का जैकेट पहना है हाईड्रोलिक ट्राली के चेंबर में भारी मात्रा में गांजा छुपा कर उत्तरप्रदेश बिक्री करने लेकर जाने वाला है कि सूचना पर थाना बसंतपुर गेट के सामने एमसीपी लगाकर गवाह अशोक यादव, गवाह मुकेश यादव एवं हमराह स्टाप के साथ जाकर वाहन की चेंकिंग करने पर मुखबीर के बताये हुलिया अनुसार लाल रंग का महिन्द्रा ट्रेक्टर आता दिखा गवाहो के समक्ष संदेही आरोपी का एवं उसके कब्जे के लाल रंग के महिन्द्रा ट्रेक्टर एवं ट्रेक्टर में लगे हाईड्रोलिक ट्राली का तलाशी लेने पर कुल 117.190 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जिसकी किमत 23 लाख 40 हजार है एवं लाल रंग का महिन्द्रा ट्रेक्टर कीमती 2 लाख रूपये को जप्त किया गया है पुछताछ में अन्य आरोपीयो की संलिप्ता का पता चला है आरोपी के विरुद्ध प्रथम दृष्टया 20 (बी) (2) (सी) एनडीपीएस एक्ट का अपराध घटित करता पाये जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया लिया है। कार्यवाहीं में निरीक्षक जितेन्द्र सोनी, प्र.आर. 120 पंकज पोर्ते, प्र.आर. 266 हरिप्रसाद, आर. 742 विवेक कुमार, आर.1193 जनार्दन, आर 529 लक्ष्मण प्रसाद शामिल रह।

क्या खाना पूर्ति जांच अधिकारी हैं मस्त?

क्यों नहीं की जा रही है सेवारी समिति प्रबंधक पर अब तक जांचपूरी?
क्या अनियमितताओं के आरोपी को बचाने का किया जा रहा है प्रयास?

-संवाददाता-
राजपुर,09 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

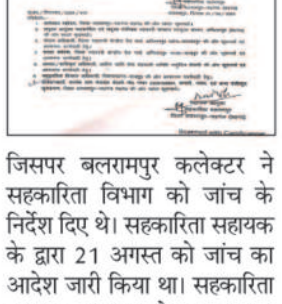

जानकारी के अनुसार बलरामपुर आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सेवारी के प्रबंधक मुकुंद राम पर फर्जी नियुक्ति,भाई-भतीजावाद, धान टोकन और खाद वितरण में अवैध वसूली एवं किसानों के तौलाई-बोरा भराई राशि गबन के साथ साथ अमर्यादित गतिविधियों के गंभीर आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार प्रबंधक पर यह भी आरोप है कि शिकायत करने वाले किसानों को अब भी धमकाया जा रहा है,जबकि उनके करीबी संविदा कर्मचारी के द्वारा पहाड़ी कोरवा एवं किसानों के साथ दुर्व्यवहार और शोषण किया जा रहा है। खबर यह है कि इन सभी आरोपों को लेकर सैकड़ों किसानों और दर्जनों जनप्रतिनिधियों ने 18 अगस्त को बलरामपुर कलेक्टर के नाम हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा था। जिसपर बलरामपुर कलेक्टर ने सहकारिता विभाग को जांच के निर्देश दिए थे। सहकारिता सहायक के द्वारा 21 अगस्त को जांच का आदेश जारी किया था। सहकारिता सहायक आयुक्त ने 21 अगस्त को ए.के. दास, सहकारिता विस्तार अधिकारी वाड्रफनगर को तीन दिवस के भीतर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। लेकिन ढाई माह बीत जाने के बाद भी जांच पूरी नहीं हो सकी है, जिससे किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

CMYK

न्यायालय भवन स्थानांतरण पर विवाद तेज

जिला अधिवक्ता संघ का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार जारी

प्रशासन पर दादागिरी, दबाव और भ्रामक प्रचार के आरोप

न्यायालय भवन स्थानांतरण को लेकर अधिवक्ताओं में आक्रोश

अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार जारी...प्रशासन पर दबाव व भ्रामक प्रचार के आरोप

-न्यूज डेस्क-
अंबिकापुर,09 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला एवं सत्र न्यायालय को शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थानांतरित करने के निर्णय के विरोध में जिला अधिवक्ता संघ,सरगुजा का अनिश्चितकालीन कलमबंद आंदोलन जारी है। अधिवक्ताओं का कहना है कि न्यायालय भवन पूर्व निर्धारित वर्तमान स्थल पर ही बनाया जाना चाहिए, क्योंकि वहीं से आम जनता को न्यायिक प्रक्रियाओं में सुविधा प्राप्त होती है। जिला एवं सत्र न्यायालय को शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थानांतरित करने के निर्णय ने जनता,वादकारियों और अधिवक्ताओं में गहरा असंतोष उत्पन्न कर दिया है, इस निर्णय को जनहित के विपरीत,असुविधाजनक और मनमाने ढंग से लिया गया कदम बताते हुए जिला अधिवक्ता संघ,सरगुजा ने अनिश्चितकालीन कलमबंद आंदोलन छेड़ रखा है, जो लगातार जारी है। अधिवक्ताओं का कहना है कि न्यायालय भवन का नया निर्माण वर्तमान स्थान पर ही किया जा सकता है क्योंकि यहीं न्यायिक कार्य वर्षों से संचालित होते आ रहे हैं और यह स्थान वादकारियों व अधिवक्ताओं दोनों के लिए सर्वाधिक सुविधाजनक है। संघ का तर्क है कि वर्तमान परिसर में ही 2 एकड़ 69 डिसमिल शासकीय भूमि उपलब्ध है। साथ ही समीपस्थ गुलाब कॉलोनी, जो कथित रूप से शासकीय भूमि पर ही अवैध रूप से निर्मित है, उसे हटाकर लगभग 4 एकड़ जमीन और उपलब्ध की जा सकती है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि इस कॉलोनी में कोर्ट मैनेजर और कोर्ट अधीक्षक

सहित कुछ प्रभावशाली लोग स्वयं कब्जाधारी हैं, जिसके कारण प्रशासन कार्रवाई करने से बच रहा है और न्यायालय भवन को शहर से दूर ले जाने की कोशिश की जा रही है, अधिवक्ताओं ने कहा कि न्यायालय को दूर स्थानांतरित किए जाने से दूर-दराज से आने वाले वादकारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्हें बस से उतरने के बाद ऑटो या अन्य साधनों पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा। वहीं अधिवक्ताओं को भी न्यायालय और राजस्व विभाग के बीच बार-बार यात्रा करनी होगी, जिससे दुर्घटना का भी खतरा बढ़ जाएगा।

न्यायालय परिसर में बढ़ी हलचल, भ्रामक आरोपों की शिकायत

अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार के दौरान 08 नवम्बर को अधिवक्ता संघ द्वारा गठित एक निरीक्षण दल न्यायालय परिसर पहुँचा। यह दल उन व्यक्तियों की पहचान करने हेतु गठित किया गया था, जो हड़ताल के दौरान न्यायिक कार्य कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि पुलिस विभाग, तहसीलदार कार्यालय एवं राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी-कर्मचारी न्यायालय परिसर में उपस्थित होकर यह भ्रामक प्रचार कर रहे थे कि अधिवक्ताओं ने न्यायालय की बाउंड्री वॉल को क्षतिग्रस्त किया है, अधिवक्ता संघ ने इस आरोप को पूरी तरह निराधार, भ्रांतिपूर्ण और अधिवक्ताओं की छवि धूमिल करने का एक षड्यंत्र बताया है। जैसे ही यह जानकारी अधिवक्ताओं तक पहुँची, बड़ी संख्या में अधिवक्ता न्यायालय पहुँचे और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया।

हड़ताल समाप्त करवाने का दबाव और संघ की प्रतिक्रिया

संघ के अनुसार 07 नवम्बर को न्यायिक प्रशासन द्वारा संघ पदाधिकारियों को बार-बार दूरभाष पर संपर्क कर हड़ताल समाप्त करने का दबाव डाला गया था। जब संघ ने स्पष्ट कहा कि आंदोलन न्यायालय भवन का निर्माण वर्तमान स्थल पर कराने की मांग के साथ जारी रहेगा, तब अगले ही दिन यह बाउंड्री वॉल विवाद खड़ा कर अधिवक्ताओं को मानसिक दबाव में लाने का प्रयास किया गया। संघ ने ऐसे कपटपूर्ण प्रयासों की कड़ी निंदा की है और चेतावनी दी है कि यदि अधिवक्ताओं की छवि खराब करने या आंदोलन दबाने के प्रयास जारी रहे, तो समूचा अधिवक्ता समुदाय और व्यापक तथा उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

संघ की स्पष्ट मांग...

- न्यायालय भवन का निर्माण वर्तमान स्थल पर ही किया जाए
- शासकीय भूमि पर हुए अनधिकृत कब्जों को हटाया जाए
- अधिवक्ताओं के खिलाफ भ्रामक प्रचार बंद किया जाए
- विषय पर शासन-प्रशासन लिखित, स्पष्ट एवं सार्वजनिक निर्णय ले
- संघ ने स्पष्ट कहा है कि जब तक यह निर्णय नहीं होता, अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

हड़ताल के बीच नया विवाद

'बाउंड्री वॉल' मामला- 08 नवम्बर को जिला अधिवक्ता संघ द्वारा गठित निरीक्षण दल न्यायालय परिसर पहुँचा। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि: पुलिस विभाग, तहसील कार्यालय एवं राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी-कर्मचारी न्यायालय परिसर में उपस्थित होकर, यह भ्रामक प्रचार फैला रहे थे कि अधिवक्ताओं ने न्यायालय की बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त की है। संघ ने कड़ा बयान जारी कर कहा: यह आरोप पूर्णतः निराधार और मनगढ़ंत है, जिसका उद्देश्य अधिवक्ताओं की छवि खराब करना और हड़ताल खत्म करवाने के लिए मानसिक दबाव बनाना है। जैसे ही यह जानकारी अन्य अधिवक्ताओं को मिली, बड़ी संख्या में अधिवक्ता न्यायालय परिसर पहुँचे और शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया।

हड़ताल समाप्त करवाने के लिए प्रशासन पर दबाव डालने का आरोप

07 नवम्बर को प्रशासन ने संघ पदाधिकारियों को दूरभाष पर कई बार संपर्क कर हड़ताल समाप्त करने का दबाव बनाया, लेकिन संघ ने स्पष्ट कर दिया: जब तक न्यायालय भवन वर्तमान स्थल पर निर्माण को लेकर शासन की ओर से स्पष्ट और लिखित आश्वासन नहीं मिलता, आंदोलन जारी रहेगा।

अधिवक्ता संघ की चेतावनी

संघ ने अपने बयान में चेतावनी दी: यदि भ्रामक आरोप गढ़कर अधिवक्ताओं की गरिमा को ठेस पहुँचाने या हड़ताल तोड़ने का कोई भी प्रयास किया गया, तो अधिवक्ता समुदाय और अधिक व्यापक तथा उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

निर्माण गुणवत्ता पर भी उठे सवाल

कुछ अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया है: शहर से दूर निर्माण इसलिए करवाया जा रहा है ताकि गुणवत्ता की निगरानी न हो सके, और भवन जैसे-तैसे तैयार कर लिया जाए।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार...

थाना सीतापुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही,मायके जाने की बात से नाराज होकर आरोपी द्वारा पत्नी को डंडा एवं टांगी के बेंट से गंभीर चोट कारित कर की गई थी हत्या

-संवाददाता-
सीतापुर,09 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

उक्त हत्या के मामले में दिनांक 08/11/25 को थाना सीतापुर पुलिस टीम को जरिये मोबाइल सूचना मिला कि राजू दास अपनी पत्नी मनबसिया को मारपीट कर हत्या कर दिया है कि सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घटना का तस्दीक किया गया, प्राथी लाल साय साकिन कोट रनईटिकरा थाना सीतापुर के द्वारा मौके पर बिना नम्बरी मर्ग अपराध कायम कराया कि मृतिका दो वर्ष से राजू दास के साथ प्रेम विवाह कर साथ में रह रहे थे, पूर्व में भी राजीव दास उर्फ राजू मनबसिया के साथ झगड़ा मारपीट कर चुका है कि दिनांक 07/11/25 के करीब 10.00 बजे मनबसिया अपने मायके रनईटिकरा कोट गई थी कि आधा एक घण्टा बाद राजू दास मनबसिया को लेने गया था और मनबसिया को जबरजस्ती मायके से अपने घर ले गया कि दिनांक 08/11/25 के 07.00 बजे सुबह संत कुमार कटरापारा का प्राथी के घर जाकर बताया कि आपकी लड़की को राजू दास मारपीट कर हत्या कर दिया है कि सूचना पर मौके पर आकर देखा मृतिका फौत कर गई है, एवं उसके हाथ पैर सिर चेहरा मे चोट लगा है। राजीव दास उर्फ़ राजू, मनबसिया को मायके क्यों जाती हो कहकर डण्डा से मारपीट कर हत्या कर दिया है। मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सीतापुर मे अपराध क्रमांक 431/25 धारा 103(1) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामले को संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा मामले मे त्वरित कार्यवाही कर मामले के आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे पुलिस टीम द्वारा मामले मे अग्रिम कार्यवाही करते हुए मृतिका का शव पंचनामा कर शव को पी.एम. हेतु रवाना किया गया बाद आरोपी को सकुनत पर तलब कर मिलने पर पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा अपना नाम राजीव दास उर्फ़ राजू आत्मज बन्नू दास उम्र 34 वर्ष साकिन जजगा कटरापारा थाना सीतापुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर जुर्म करना स्वीकार किया तथा गवाहों के समक्ष मेमोरण्डम कथन लेखबद्ध कराया कि दिनांक 07/11/25 को सुबह आरोपी अपने भाई को बस चढ़ाने बालमपुर गया था वापस आकर देखा कि इसकी पत्नि घर में नहीं थी बिना बताये

मायके चली गई थी जो आरोपी रनईटिकरा कोट गया और अपने पत्नि मनबसिया को साथ में लेकर आया और दूसरे के बहकावे में आकर मायके क्यों जाती हो कहकर डण्डा से एवं टांगी के बेट से गंभीर चोट कारित कर हत्या की घटना कारित किया है, आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त डंडा एवं टांगी का बेंट जप्त किया गया है, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी सीतापुर निरीक्षक सी.आर. चंद्रा, उप निरीक्षक रघुनाथराम भगत, प्रधान आरक्षक नीरज पाण्डेय, आरक्षक राकेश यादव, महेन्द्र नाथ सक्रिय रहे।

अनूपपुर में पत्रकारों की एकता बनी ऐतिहासिक...

कलमकारों के संघर्ष के आगे झुका प्रशासन,सभी मांगों पर चर्चा का मिला आश्वासन

-विशेष संवाददाता-
अनूपपुर,09 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अनूपपुर की धरती आज पत्रकारों की गूंज से दहक उठी। साथियों कलम की ताकत जब सड़कों पर उतरी तो प्रशासन को भी सुनना पड़ा। जिले में पत्रकारों के साथ हो रहे उत्पीड़न, फर्जी मुकदमों और लगातार उपेक्षा के विरोध में अनूपपुर पत्रकार एकता मंच के बैनर तले कलमकारों ने ऐतिहासिक एकता का प्रदर्शन किया। न्यू बस स्टैंड अंडरब्रिज के पास चल रहे अनिश्चितकालीन आंदोलन ने प्रशासन को झकझोर दिया और अब प्रशासन ने पत्रकारों की सभी मांगों पर चर्चा व समाधान का भरोसा दिया है।

कलम की जुबान से निकली क्रांति की आवाज़

8 नवंबर 2025 को जब जिलेभर से पत्रकार एकजुट होकर आंदोलन स्थल पर पहुंचे, तो यह महज़ एक विरोध नहीं बल्कि आत्मसम्मान की लड़ाई बन गई। सैकड़ों पत्रकार चिलचिलाती धूप में भी डटे रहे नारे गूंजे, आवाज़ें बुलंद हुई और एक ही संदेश गूंजता रहा:

हम डरेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं, सच्चाई लिखते रहेंगे!

पत्रकारों का यह गुस्सा प्रशासन की उस बेरुखी के खिलाफ था, जिसने वर्षों से कलम की आवाज़ को दबाने की कोशिश की थी। फर्जी मुकदमे, उत्पीड़न और धमकियों से अब सब्र का बांध टूट चुका था।

छत्तीसगढ़ से भी मिला कंधे से कंधा मिलाकर समर्थन

साथियों इस संघर्ष को सीमाओं से परे समर्थन मिला। छत्तीसगढ़ से आए वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र जायसवाल, कर्मुनिशा और आदित्य गुप्ता ने मंच से गरजते हुए कहा - यह आंदोलन केवल अनूपपुर का नहीं, बल्कि पूरे देश के पत्रकारों की आवाज़ है। अगर मांगें जल्द नहीं मानी गई, तो यह आंदोलन प्रदेशव्यापी रूप ले लेगा। इन शब्दों ने आंदोलन में नई ऊर्जा और जोश भर दिया।

सियासत भी आई मैदान में - नेताओं ने दी खुली समर्थन की घोषणा : पत्रकारों की यह जंग अब राजनीतिक गलियारों तक पहुंच चुकी है। कांग्रेस से जीवेंद्र सिंह, राजीव सिंह, बाबा खान, सतेंद्र दुबे और भाजपा से राज तिवारी व कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल मंच पर पहुंचे और खुलकर समर्थन दिया। नेताओं ने एक स्वर में कहा पत्रकार लोकतंत्र की रीढ़ हैं, उनके साथ अन्याय किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं होगा। दोनों दलों ने यह भी आश्वासन दिया कि पत्रकारों की यह आवाज़ मुख्यमंत्री तक पहुंचाई जाएगी।

प्रशासन हरकत में - बैठक का हुआ ऐलान : लहराते बैनरों और गूंजते नारों के बीच प्रशासन भी सक्रिय हुआ। अनुविभागीय दंडाधिकारी कमलेश पूरी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम मौके पर पहुंचे और पत्रकारों की सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए कहा पत्रकार समाज की आंख और कान हैं, उनकी मांगों का समाधान हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने आंदोलनरत पत्रकारों को भरोसा दिलाया कि मंगलवार दोपहर 2 बजे नर्मदा सभागार में कलेक्टर के साथ बैठक कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

अनूपपुर की कलम अब खामोश नहीं

आज का दिन अनूपपुर की पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। यह आंदोलन बताता है कि जब कलमकार एकजुट होते हैं, तो प्रशासन को भी जवाब देना पड़ता है। अब सवाल यह है क्या प्रशासन वाकई पत्रकारों की मांगों को गंभीरता से पूरा करेगा या आंदोलन और तेज़ी से उभरेगा? एक बात तो तय है अनूपपुर के कलमकार अब जाग चुके हैं, और यह जागरण सिर्फ पत्रकारों का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा का है।

CMYK

जन सरोकार की खबर का बड़ा असर...कोरिया जिला प्रशासन की पहल से समाधान

धन्यवाद जिला प्रशासन, धन्यवाद कलेक्टर महोदया

सोनहत के 22 गांवों में बदले गए सौर प्लांट के खराब इन्वर्टर, गांवों में फिर लौटी रोशनी

-रवि सिंह-

कोरिया,09 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। सोनहत विकासखण्ड के वनांचल क्षेत्रों में खराब पड़े सौर ऊर्जा प्लांट के कारण फैल रहे अंधेरे पर 'घटती घटना' द्वारा प्रकाशित समाचार का महत्वपूर्ण प्रभाव सामने आया है। जिला प्रशासन और कलेक्टर कोरिया द्वारा संज्ञान लेते ही छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खराब इन्वर्टर और बैटरी बैंक बदलने की प्रक्रिया शुरू की,जिसके बाद अब 22 गांवों में रोशनी और पेयजल आपूर्ति फिर से सुचारू हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, आर.वी.ई., डीडीजी एवं सौभाग्य योजना अंतर्गत स्थापित अधिकांश सौर संयंत्र वारंटी अवधि खत्म होने के बाद तकनीकी रूप से बाधित हो गए थे, जिससे कई गांवों में पेयजल तथा घरेलू विद्युत उपयोग प्रभावित हो रहा था। खबर प्रकाशित होने के बाद क्रेडा जिला कार्यालय द्वारा 31 स्पेयर इन्वर्टर और 240 बैटरी बैंक की मांग का प्रस्ताव प्रधान कार्यालय रायपुर भेजा गया, जिस पर त्वरित स्वीकृति मिलते ही तकनीकी टीमों ने गांवों में सुधार कार्य प्रारंभ किया, क्रेडा के तकनीकी अधिकारियों ने बताया कि नए इन्वर्टर लगने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा आधारित सेवाएं पुनः सक्रिय कर दी गई हैं। जिन गांवों में प्लांट लिविंग सिस्टम पर चल रहे थे, वहां भी स्थायी इन्वर्टर इंस्टॉल कर बैकअप बढ़ाया गया है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने जताया आभार

इस विषय में पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कलेक्टर कोरिया को पत्र लिखकर इन्वर्टर और बैटरी बदलने की मांग की थी। समस्या के समाधान के बाद उन्होंने कलेक्टर कोरिया और क्रेडा विभाग का धन्यवाद किया तथा जन सरोकारों से जुड़े मुद्दे को प्रमुखता से उठाने के लिए 'घटती घटना' का भी आभार व्यक्त किया।

कोरिया जन सहयोग समिति और ग्रामीणों ने किया स्वागत

कोरिया जन सहयोग समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अधिवक्ता जय सोंपाकर, चुलादर के ग्रामीण गणेश गुप्ता, स्थानीय नेता अनित दुबे, प्रकाश चन्द्र साहू और जनपद अध्यक्ष आशा देवी सोनपाकर सहित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना की है।

इन गांवों में फिर जगमगाई रोशनी

नतवाही, देवतीडांड़, पत्थरगवां, निग्नोहर, कचोहर, तुर्रीपानी, परिहत, सिंघोर छात्रावास, सलगवां खुर्द, रामगढ़, बंशीपुर, तंजरा, मझगवां, रावत सारई, अमृतपुर, उधेनी, कुर्थी, चंदहा, गिधेर सहित 22 गांवों में सौर संयंत्र पुनः संचालित हो चुके हैं। यह समाधान न केवल ग्रामीण ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह भी बताता है कि जब समाचार जनहित में हो – तो प्रशासन भी सक्रिय होकर जवाब देता है।

राज्य स्तरीय स्पेशल कोर्स सम्पन्न,कोरिया की टीम लौटी नई दिशा,नया उत्साह और नई उम्मीदों के साथ

-संवाददाता-

कोरिया/रायपुर,09 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद शंकर नगर रायपुर में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित पांच दिवसीय राज्य स्तरीय स्पेशल कोर्स का समापन गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। कोरिया जिले की टीम इस प्रशिक्षण से नई ऊर्जा, उत्कृष्ट अनुभव और व्यवहारिक सीख के साथ जिले को लौटी है।

प्रथम दिवस का उद्घाटन कार्यक्रम भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छ.ग. के राज्य मुख्य आयुक्त माननीय इन्द्रजीत सिंह खालसा एवं राज्य सचिव जितेन्द्र कुमार साहू की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने कहा कि ÷स्काउटिंग केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि जीवन को अनुशासन,नैतिकता और सेवा से जोड़ने वाली जीवन-पद्धति है।÷ प्रतिभागियों को इस दौरान स्काउटिंग के उद्देश्य,संगठन संरचना और नैतिक मूल्यों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, दूसरे दिवस में बी.पी. सिक्स एवं ध्वज शिष्टाचार विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। तीसरे दिवस में विभिन्न स्पेशल कोर्स मॉड्यूल्स पर कार्यशाला एवं कौशल उन्नयन सत्र आयोजित हुए, चौथा दिवस (7 नवंबर 2025) ऐतिहासिक रहा जब भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय की भूमि पूजन कार्यक्रम माननीय शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के करकमलों से सम्पन्न हुआ। उसी दिन रायपुर इंडोर स्टेडियम में संगठन का 75वां स्थापना दिवस, वन्दे मातरम् के 150 वर्ष और छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत वर्ष का भव्य समारोह हुआ, जिसमें लगभग 10,000 स्काउट्स,गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स तथा पदाधिकारीगण शामिल हुए। कोरिया जिले की टीम ने इस आयोजन में उल्लेखनीय अनुशासन, उत्साह और सक्रिय सहभागिता प्रदर्शित की। प्रशिक्षण में कोरिया जिले की ओर से जिला सचिव स्काउट्स सुरेंद्र राजवाड़े, जिला संगठन आयुक्त स्काउट नागेश्वर साहू (लीडर ट्रेनर),जिला संगठन आयुक्त गाइड सुश्री आशा एक्का, जिला मीडिया प्रभारी रवि प्रसाद बैगा, विकासखण्ड सचिव शिवप्रताप सिंह, एवं एडवांस गाइड कैप्टन ममता सिंह सम्मिलित हुए, प्रतिभागियों ने स्काउट गतिविधियों को और अधिक परिणाम मूलक व नवाचार पूर्ण बनाने की तकनीकें सीखीं, समापन दिवस में सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं प्रेरक उद्बोधन का आयोजन हुआ। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के ज्वाइंट डायरेक्टर माननीय श्री अमर बी. छेत्री ने कार्यक्रम में उपस्थिति दर्ज कराते हुए कहा, छत्तीसगढ़ के स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय स्तर पर अनुशासन, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल बन रहे हैं।

इस अवसर पर जिला संगठन आयुक्त स्काउट नागेश्वर साहू को लीडर ट्रेनर (स्काउट) का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि उन्होंने राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी (म.प्र.) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संभाग के प्रथम लीडर ट्रेनर होने का गौरव प्राप्त किया है।

यह पाँच दिवसीय स्पेशल कोर्स कोरिया जिले के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है। इससे संगठनात्मक नेतृत्व, सेवा-भावना और स्काउटिंग गतिविधियों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कोरिया की यह टीम अब जिले में स्काउटिंग कार्यों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के संकल्प के साथ लौटी है।कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर कलेक्टर एवं पदेन संरक्षक चंदन संजय त्रिपाठी, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, जिला मुख्य आयुक्त देवेंद्र तिवारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट विनोद कुमार राय सहित सभी पदाधिकारियों एवं स्काउटङ्गाइड सदस्यों ने टीम को बधाई प्रेषित की है।

पुलिस अधिकारी ने पत्नी को जिंदा करवाने श्मशाम घाट में करवाया तंत्र-मंत्र,मारपीट तक पहुंचा मामला

-संवाददाता-

जशपुर,09 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जशपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। रायपुर में पदस्थ एएसआई ने जशपुर में एक महिला के घर घुसकर बेरहमी से पिटाई कर दी। एएसआई अपने परिजनों के साथ तड़के सुबह महिला के घर पहुंचा और अपनी पत्नी की मौत का जिम्मेदार ठहराते हुये महिला की बेरहमी से पिटाई कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने टोनही का आरोप लगाते हुये महिला के बाल पकड़कर उसे घसीटते हुये बाहर निकाला था। महिला की शिकायत पर एएसआई समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दरअसल, पीड़िता फ़ौसी बाई निवासी ग्राम भिंजपुर थाना दुलदुला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 8 नवम्बर को सुबह 4 बजे उठकर खाना बनाने चूल्हा जलाने की तैयारी कर रही थी,तभी उसके घर के बाहर कुछ लोग हल्ला गुल्ला कर उसे गंदी गालियां देने लगे। साथ ही जान से मारने की धमकी दे रहे थे। आरोपियों की धमकी से डरकर महिला ने घर का दरवाजा नहीं खोली। आरोपियों ने गालियां देते हुए दरवाजे को लात मारकर तोड़ दिया और जबरन घर में घुस गए।

एक महिला आरोपिया गायत्री भगत के द्वारा पीड़िता फ़ौसी बाई को तुम टोनही हो,तुम मेरी मां सुनीता बाई को जादू टोना कर मरवा दी हो, तुम्हे उसे जिंदा करना पड़ेगा कहते हुए हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगी। अन्य आरोपी भी महिला के सिर के बाल को खींचकर कर से घसीटते हुए गांव के मरघट की ओर ले जा रहे थे। इसी दौरान पीड़िता का बेटा व बेटी भी मौके पर पहुंचे और अपनी मां छुड़ाकर वापस घर ले आए। पीड़ति की रिपोर्ट पर तत्काल थाना दुलदुला पुलिस के द्वारा मामले के संबंध में एसएसपी को जानकारी दी गई। थाना दुलदुला में बीएनएस की धारा 296, 351(2),115(2),333,190,191(2) व टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम की धारा 4,5 के तहत अपराध पंजीबद्ध जांच विवेचना में लिया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले से जुड़े सभी आठों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) सक्षम प्राधिकारी (डायवर्सन) प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

उद्घोषणा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय कुमार जायसवाल पिता स्व. केशव प्रसाद जायसवाल निवासी बाजार रोड़ प्रतापपुर तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम घाटपेण्डारी प0ह0नं0 08 तहसील प्रतापपुर स्थित खसरा नंबर 57/7,57/3,58/1 रकबा क्रमशः 0.06,0.03,0.02 हे. भूमि को छ0ग0भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत कृषि भूमि से भिन्न व्यवसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि इस पर किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 21/11/2025 तक अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। इस तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

दिनांक 06/11/2025 को न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी प्रतापपुर जिला-सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) सक्षम प्राधिकारी (डायवर्सन) प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

उद्घोषणा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामधनी पिता स्व. महावीर जाति गोंड़ निवासी घाटपेण्डारी तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम घाटपेण्डारी प0ह0नं0 08 तहसील प्रतापपुर स्थित खसरा नंबर 57/1 रकबा क्रमशः 0.10 हे. भूमि को छ0ग0भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत कृषि भूमि से भिन्न व्यवसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि इस पर किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 21/11/2025 तक अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। इस तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

दिनांक 06/11/2025 को न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी प्रतापपुर जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0 / 202509261100019 अ-06/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र...चिकनी.. को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण हीरालाल आ. सीताराम, दुधनाथ आ. सीताराम, धनेश्वर आ. सीताराम जाति अहीर निवासी ग्राम चिकनी तहसील ओडगी जिला सूरजपुर छ.ग. के द्वार ग्राम चिकनी मे स्थित भूमि ख. न. 1443 रकबा 0.50 हे. भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु छ.ग. भू राजस्व संहिता भूरा राजस्व संहिता की धारा 109,110 के तहत आवेदन पेश किया गया है जिससे साक्ष्य की आवश्यकता होने कारण प्रकरण ई-कोर्ट मे हस्तांतरण कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया। जिसमे अनावदेक/ खातेदार अन्यत्र जगह रहते है, जिसकी जानकारी नही हैं,जिसमे अनावेदक/ खातेदारो की उपस्थिति होना अति आवश्यक हैं।

अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/अनावेदकगणों को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक12.11.2025को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 30.10.2025 को न्यायालयीन प्रदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार ओड़गी जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार ओड़गी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0 / 202509261100018 अ-06/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र...चिकनी...को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण हीरालाल आ. सीताराम, दुधनाथ आ. सीताराम, धनेश्वर आ. सीताराम जाति अहीर निवासी ग्राम चिकनी तहसील ओड़गी जिला सूरजपुर छ.ग. के द्वार ग्राम चिकनी में स्थित भूमि ख. न. 900 रकबा 0.30 हे. भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु छ.ग. भू राजस्व संहिता की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पेश किया गया है जिससे साक्ष्य की आवश्यकता होने कारण प्रकरण ई- कोर्ट मे हस्तांतरण कर कार्यवाही प्रारंभ किया गया। जिसमे अनावदेक/ खातेदार अन्यत्र जगह रहते है, जिसकी जानकारी नही है, जिसमे अनावेदक/ खातेदारो की उपस्थिति होना अति आवश्यक हैं।

अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/अनावेदकगणो को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 12.11.2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 30.10.2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार ओड़गी जिला-सूरजपुर

16 साल से कोषालय में जमे डाटा एंट्री ऑपरेटर भगवानी ठाकुर पर गंभीर आरोप

गलती अपनी, बचाव के लिए संगठन का सहारा?

- जब कार्यालय में पर्याप्त लिपिक स्टाफ मौजूद है तो बिल पास करने की जिम्मेदारी आपरेटर को क्यों?
- अब सवाल सीधा है, क्या प्रशासन इस स्थिति को गंभीर विषय मानेगा या इसे फिर 'आंतरिक विवाद' कहकर किनारे कर देगा?
- कोरिया जिले में बढ़ रही मनमानी,कोषालय से लेकर स्कूल तक लापरवाह कर्मचारी,सवालों के घेरे में प्रशासन
- कोषालय में बढ़ता विवादः आपरेटर को बिल पासिंग की जिम्मेदारी देने पर उठे सवाल, जांच की मांग तेज

-रवि सिंह-

कोरिया,09 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में एक बार फिर सरकारी कर्मचारियों की कार्यशैली पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। कोषालय में पदस्थ ऑपरेटर भवानी ठाकुर पर गंभीर आरोप लगे हैं, महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी, बिल पास करने के नाम पर उगाही, और कार्यालयीन अनुशासन का खुला उल्लंघन, सूत्रों के मुताबिक कुछ माह पूर्व कलेक्टर ने अपने चैम्बर में भवानी ठाकुर को फटकार लगाई थी, अब जब मामले की खबर प्रकाशित हुई तो उसे गलत ठहराते हुए कर्मचारी संगठन सामने आ गए, सवाल उठता है, क्या संगठन ने कभी यह तस्दीक की कि कलेक्टर ने फटकार क्यों लगाई थी? वाह भवानी ठाकुर वाह! आप कोषालय में बैठकर गलत करो,महिलाओं के खिलाफ टिप्पणी करो,बिल पास करने के लिए उगाही करो और जब खबर का प्रकाशन हो तो उसे ग़लत ठहराकर कार्यवाही से बचने संगठन को आगे करो,कोरिया जिले में बेपरवाह हुए कर्मचारी,करते हैं गलत फिर लेते हैं संगठन का सहारा,कोई लेता है कर्मचारी संगठन का सहारा तो कोई लेता है समाज का सहारा, लेकिन खुद की गलती नहीं देती दिखाई, वेतन से नहीं भरता पेट,वेतन से अतिरिक्त लाभ की रहती है मंशा, इसलिए होती है उगाही? क्या खबर ही हर बार होती है ग़लत? क्या हमेशा पाक साफ रहता है कर्मचारी? ख़बरें विश्वस्त सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर ही प्रकाशित की जाती हैं,जितना एक पाठक को अखबार पर होता है भरोसा उतना ही एक पत्रकार को अपने सूत्र पर होता है भरोसा, तब मजबूती के साथ टिका रहता है लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, वही है आपरेटर भवानी ठाकुर जिसे कलेक्टर ने कुछ माह पहले अपने चेंबर में बुलाकर लगाई थी कड़ी फटकार,क्या संगठन ने इस बात की तस्दीक की? क्या कि भवानी ठाकुर को क्यों कलेक्टर ने फटकारा था? सूत्रों का दावा,दिन में भी होती है शराबखोरी, मौका तलाशकर कई कर्मचारी शराब पीकर करते हैं कोषालय जैसे संवेदनशील जगह में काम, खबर प्रकाशन के बाद फेडरेशन के नेतृत्व में कलेक्टर से मिलने पहुचें कुछ कर्मचारी, कार्यालयीन और स्कूली समय में काम छोड़ कलेक्टर कार्यालय जाना कहां तक था उचित?

जांच के लिए उठ रहे मुख्य प्रश्न

- जब लिपिक उपलब्ध हैं,तो बिल पासिंग की जिम्मेदारी ऑपरेटर को क्यों?
- कलेक्टर द्वारा की गई पूर्व फटकार के बाद सुधार क्यों नहीं हुआ?
- कार्यालय समय में बाहरी गतिविधियों की सीसीटीवी जांच कब होगी?
- महिला कर्मचारियों की शिकायतों पर अब तक क्या कार्रवाई हुई?
- क्या कार्यालय में गुटबाजी और शराब सेवन का प्रभाव कार्य-संस्कृति पर पड़ रहा है?

कर्मचारियों की अनसुनी क्यों? कोषालय में कार्य-विभाजन की आड़ में मनमानी का मुद्दा गंभीर

वहीं कार्यालय में कार्यरत कुछ महिला कर्मचारियों ने असुरक्षा की स्थिति होने की बात भी कही है,आरोप यह भी है कि एक महिला कर्मचारी के साथ पूर्व में दुर्व्यवहार और मारपीट की घटना हुई थी, जिसमें स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप की बात बताई गई है, कार्यालय से बाहर कुछ कर्मचारियों द्वारा शाम के समय शराब भट्ठी जाने की चर्चाएं भी सामने आई हैं। यदि यह तथ्य है तो शराब भट्ठी में लगेसीसीटीवी कैमरों की जांच से स्थिति स्पष्ट हो सकती है, बताया जा रहा है कि भगवानी ठाकुर ने दो-तीन लिपिक कर्मचारियों के साथ मिलकर गुटबाजी का वातावरण खड़ा किया है, जिससे कार्यालय का कामकाज प्रभावित हो रहा है, कर्मचारियों ने यह भी कहा कि अपने ऊपर लगे आरोपों से बचने के लिए भगवानी ठाकुर ने फेडरेशन का सहारा लिया, जहां कुछ पदाधिकारियों ने बिना तथ्य जांचे समर्थन किया।

समाचार की चेतावनी (स्रोत आधारित,तथ्य सत्यापन की मांग)

चूंकि यह मुद्दा कार्यालय के भीतर से उठी सूचनाओं और सूत्रों पर आधारित है, इसलिए यदि विभागीय स्तर पर समय रहते जांच और कार्य-विभाजन की समीक्षा नहीं की गई,तो यह विषय केवल असंतोष नहीं, प्रशासनिक पारदर्शिता और कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा बनकर जिला और संभाग स्तर पर औपचारिक जांच की मांग का स्वरूप ले सकता है, इसलिए आवश्यक है कि स्थिति को आंतरिक विवाद कहकर टालने के बजाय तथ्यों की जांच कर स्पष्ट और पारदर्शी निर्णय लिया जाए,साथ ही कर्मचारियों ने कहा है कि मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कर कार्यालय का माहौल पुनः व्यवस्थित किया जाए।

कर्मचारी संघों को अपनी भूमिका स्पष्ट करने की आवश्यकता

कर्मचारियों के लिए संघों की आवश्यकता क्यों पड़ी और क्यों कर्मचारी संघों का जन्म हुआ यह बतलाना लंबी चर्चा होगी और कर्मचारी संघों की आवश्यकता क्यों है या पड़ी इससे अंजान शायद ही कोई है ऐसा मानकर यह सवाल जायज है कि कर्मचारी संघों को अपनी भूमिका के बारे में सोचना चाहिए, कर्मचारी संघ आखिर क्यों अपनी भूमिका से विपरीत कार्य कर रहे हैं,कर्मचारियों के हित रक्षा की बजाए क्यों ऐसे संघ उनके शोषक समूह का साथ दे रहे हैं,कोषालयों में क्या कब कैसे सबकुछ होता है यह बताने की जरूरत नहीं,विभिन्न कार्यालयों में लिपिक संवर्गीय कर्मचारियों से किस तरह शोषित है अन्य कर्मचारी समूह यह भी ज्ञात तथ्य है,ऐसे में कर्मचारी संघों को अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए कि वह शोषक समूह के साथ है कि शोषित समूह के साथ।

कार्यालयीन समय में ढाबों पर कर्मचारी, शराबखोरी के आरोप भी

सूत्रों का कहना है कि कोषालय के कुछ कर्मचारी कार्यालयीन समय में ढाबों में देखे जाते हैं, यहां तक कि दिन के समय शराब पीने और नशे में संवेदनशील काम करने के आरोप भी सामने आए हैं। यह स्थिति कोषालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय के लिए चिंताजनक है। बताया जाता है कि जिला कार्यालय में भी कर्मचारी दिन में शराब का सेवन करके पहुंच जाते हैं, कई कर्मचारी ऐसा करने वाले माने जाते हैं।

शिक्षक 'नेता' पहले...'शिक्षक' बाद में...

जिले में कई शिक्षक नेता स्कूल समय पर स्कूलों में मौजूद नहीं रहते। अक्सर वे जिला मुख्यालय में बैठकों और संगठनात्मक गतिविधियों में व्यस्त नजर आते हैं। इसका सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ता है, लेकिन प्रशासन की नजर अब तक इन पर नहीं गई है।

पत्रकार दृष्टिकोण

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ अपने सूत्रों के भरोसे खड़ा रहता है,जैसे पाठक अखबार पर भरोसा करता है, वैसे ही पत्रकार अपने स्रोत पर करता है। यदि खबरें तथ्यों पर आधारित हैं तो उन्हें 'ग़लत' ठहराना अनुचित है, अब सवाल प्रशासन के सामने है,क्या वह कर्मचारी संगठन के दबाव में झुकेगा या फिर नियमों के अनुसार जवाबदेही तय करेगा?

कोषालय में बढ़ता विवाद

आपरेटर को बिल पासिंग की जिम्मेदारी देने पर उठे सवाल- कोषालय कार्यालय में कार्य-विभाजन और आचरण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। कार्यालय में पर्याप्त लिपिक स्टाफ मौजूद होने के बावजूद बिलों के पासिंग का कार्य ऑपरेटर भगवानी ठाकुर को दिए जाने पर कर्मचारियों के एक समूह ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि यह निर्णय नियमों और स्थापित प्रक्रिया के विपरीत है, ऐसे में मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है, सूत्र बताते हैं कि कुछ माह पूर्व भी भगवानी ठाकुर के कार्य और व्यवहार संबंधी शिकायत कलेक्टर स्तर तक पहुंची थी, उस समय कलेक्टर द्वारा फटकार लगाए जाने की बात सामने आई थी, इसके बावजूद हाल के दिनों में प्राकृतिक आपदा से संबंधित बिलों के समय पर पास नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे हैं, कार्यालयीन वातावरण को लेकर भी कर्मचारियों ने चिंता व्यक्त की है। आरोप है कि कार्यालयीन समय में भगवानी ठाकुर कुछ कर्मचारियों के साथ कार्यालय परिसर से बाहर पास के ढाबों में समय व्यतीत करता है, कर्मचारियों की मांग है कि इस विषय में परिसर व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई जाए।

खबर प्रकाशन के बाद संगठन का हंगामा...कलेक्टर से मिले कर्मचारी

कोषालय की खबर प्रकाशित होने के बाद कुछ कर्मचारी फेडरेशन के बैनर तले कलेक्टर से मिलने पहुंचे,सवाल यह भी उठ रहा है कि कार्यालयीन और शिक्षण समय में सरकारी कर्मचारी काम छोड़कर कलेक्टर कार्यालय क्यों पहुंचे? क्या यह भी अनुशासनहीनता नहीं मानी जानी चाहिए? वैसे अपनी बात रखना अधिकारियों के समक्ष संगठन का कर्तव्य है लेकिन संगठन भी आखिर क्यों नहीं समीक्षा करता कि कौन सही है और खबर कितनी गलत है,संगठन कर्मचारियों के लिए उनकी सुविधा के लिए होते हैं और संगठनों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी कर्मचारी की वजह से कोई कर्मचारी परेशान न हो यह किसी से उगाही न हो,वहीं यदि वस्तुस्थिति की बात की जाए तो कर्मचारी से कर्मचारी ही वसूली करने के मामले में बदनाम पाया जाता है और वह ऐसा केवल उन सुविधाओं के नाम पर वसूली करता है जो कर्मचारियों का ही हक अधिकार होता है, अवकाश स्वीकृति,लंबित वेतन सहित अन्य विभिन्न स्वत्व भुगतान के लिए कार्यालय से लेकर कोषालय तक की वसूली जग जाहिर है और उसके बावजूद कर्मचारी संगठन इन वसूलियों के खिलाफ आवाज नहीं उठाते वरन वह तब लामबंद होते हैं जब कोई कर्मचारियों अधिकारियों की वसूली से पीड़ित कर्मचारी उच्च अधिकारी से शिकायत करता है या उसकी आवाज लोकतंत्र के चौथे स्तंभ तक पहुंचती है,जब आवाज उठती है तब कर्मचारी संघ जागृत होते हैं और वह बीच बचाव का हल निकालने भीड़ जाते हैं,जो कोरिया जिले में हाल फिलहाल देखा जा रहा है।

कर्मचारी संगठन की भूमिका न्याय में सहायता की होनी चाहिए...न कि तथ्य-रहित समर्थन की?

सबसे गंभीर पहलू कार्यालयीन वातावरण और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़े आरोप हैं, अगर कार्यस्थल ऐसा हो जाए कि कर्मचारी स्वयं को असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल प्रबंधन की विफलता नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनशीलता का पतन है। ऐसी स्थिति में सीसीटीवी फुटेज की जांच, व्यवहार समीक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा ऑडिट तुरंत होना चाहिए, चुप्पी यहाँ समाधान नहीं—चेतावनी का समय निकल चुका है। इसके अलावा कर्मचारियों में गुटबाजी और दबाव-राजनीति की बातें भी सामने आई हैं। अपने ऊपर लगे आरोपों से बचने के लिए फेडरेशन या किसी अन्य समूह के नाम का इस्तेमाल करना न केवल अनुचित है, बल्कि इससे कार्यालय का वातावरण और अधिक विषाक्त होता है, किसी भी कर्मचारी संगठन की भूमिका न्याय में सहायता की होनी चाहिए, न कि तथ्य-रहित समर्थन की। यदि जवाब फिर टालमटोल हुआ, तो कल को ये विवाद केवल कार्यालय तक सीमित नहीं रहेंगे – यह व्यवस्था के भरोसे पर चोट करेंगे।

सड़कों को लेकर जिला कांग्रेस द्वारा किया गया एकदिवसीय धरना प्रदर्शन

-संवाददाता-

कोरबा,09 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरबा जिले के सड़को की बदहाली को लेकर जिला कांग्रेस द्वारा किया गया धरना प्रदर्शन। इस दौरान धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष नत्थूलाल यादव ने कहा कि खस्ताहाल सड़कों के लिए कोरबा के जनप्रतिनिधि जिम्मेदार है। कोरबा शहर सहित शहर को जोड़ने वाली लगभग सभी प्रमुख मार्ग की सड़कें बदहाल और जर्जर अवस्था में है। इन बदहाल और दम तोड़ चुकी सड़कों के मरम्मत और नवीन निर्माण के लिए कोई भी जनप्रतिनिधि ने सुध नहीं लिया । जबकि शहर के सड़कों को दुरूस्त करने की जिम्मेदारी निगम प्रशासन की है । श्री यादव ने आगे कहा कि कोरबा जिले के सड़कों की हालत अत्यंत ही जर्जर हाल में है । खासकर गोपालपुर से कटघोरा,सीतामणी से उरगा, चाम्पा के पास, सवर्ममंगला से कुसमुण्डा की सड़कों की हालत बेहद खराब है । नगर निगम क्षेत्र की भी अनेकों मार्ग की सड़कों की जर्जर स्थिति और बड़े बड़े गड्ढे होने की वजह से राहगीरों को आवागमन में अनेकों दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है । पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कोरबा शहर सहित कोरबा जिलों की अनेकों मार्ग की खस्ताहाल सड़कों के लिए जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि कोरबा की सबसे बड़ी समस्या कोरबा की खराब सड़कें, रेलवे फाटक और टैऊफिक जाम होना है । श्री प्रसाद ने कहा कि सीएसईबी चौक पर वायशेप ओव्हरब्रिज बनाने के लिए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने विधायक रहते हुए सबसे पहले विधानसभा में आवाज उठाया था जिसे बनाने के लिए सीएसईबी ने लगभग 10 करोड़ दिए भी थे लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी वायशेप ओव्हरब्रिज बनाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। इसी प्रकार सुनालिया रेल्वे क्रासिंग पर अंडर ब्रिज निर्माण की प्रक्रिया वर्षों से प्रगति पर है जबकि कोरबा की सबसे अधिक समस्या यहीं पर टैऊफिक जाम के कारण होती है । प्रदेश कांग्रेस सचिव बी एन सिंह ने कहा कि सड़कों के मरम्मत के दुरूस्तीकरण के जरूरत के साथ साथ टी पी नगर रेल्वे क्रासिंग और शारदा विहार रेल्वे क्रासिंग में भी अंडर ब्रिज निर्माण की है ।

कार्यक्रम को पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जायसवाल, प्रदेश कांग्रस सचिव विकास सिंह,नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू,सांसद प्रतिनधि सुरेश सहगल, पूर्व पार्षद मनीष शर्मा,युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज,कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष गजानंद साहू,ब्लॉक अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा, बसंत चंद्रा,संतोष राठौर,महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी,अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष नारायण कुर्रे,जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मुकेश राठौर,राजेन्द्र सिंह राठौर,मनीषा अग्रवाल, सेवादल प्रमुख प्रदीप पुरायणे, पार्षद रवि चंदेल, बद्रीकिरण, अयोध्य मस्तुल सिंह कंवर, उप नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोपाल कुर्रे, प्रेमलता अविनाश बंजारे, एफ डी मानिकपुरी, पूर्व पार्षद पालुराम साहू, प्रदीप जायसवाल,मनकराम साहू, अश्वनी पटेल, जवाहर निर्मलकर, रमेश वर्मा, रवि खुंटे, गिरधारी बरेठ, महेन्द्र थवाईत, हसन अमन आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ए डी जोशी, डॉ. डी आर नेताम, कुंजबिहारी साहू, लखन लाल सहीस, शशि अग्रवाल, लक्ष्मी महंत, हिमांशु साहू, धनंजय चंद्रा, ममता अग्रवाल, अजीत बर्मन, सुनील निर्मलकर, बाबिल गिरी, राजेश श्रीवास, टेकराम श्रीवास, झलकुंवर ठाकुर, इकबाल कुरैशी, मुस्लिम खान, समसुद्दीन, निजामुद्दीन, हमीदुद्दीन, संगीता श्रीवास, शहजाद खान, पंचराम निराला, विजय आदिले, विजय आनंद, राकेश देवांगन, प्रेमलता साहू, अनिल सिंह, गणेश दास महंत, सत्य प्रकाश साहू, सेतराम कुंभकार, श्रवण विश्वकर्मा, लखन कठौतिया, संजय यादव, विक्रम कुमार, पवन यादव, नरेश राठौर, मनहरण यादव, अमित पन्ना, हेमंत चंद्रा, रवि टोप्पो, अजित पन्ना, अमर पटेल, उमा बिंद, नवराज बहादुर, मनीष नायडु, पोषण वर्मा, गोपाल दास, कुलदीप मुण्डा, कमल किशोर चंद्रा, योगेश महंत, रामकुमार माथुर, पवन विश्वकर्मा, विजय डहरिया, भीमलाल भैना, राजेन्द्र श्रीवास, आदित्य दास, सत्यम सिंह, गोलु राठौर, अमित चंदन, दीपक श्रीवास, किरण साहू, सविता चौहान, मानशी महंत, कुसुम बाई, संतोष गौड़, कौशिल्या श्रीवास, पुनी बाई विश्वकर्मा, रूकमणी, सावित्री खुंटे, रामायण बाई, निरादेवी आदि अनेकों कांग्रस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे । कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष राठौर ने किया एवं अंत में आभार व्यक्त नारायण कुर्रे ने किया ।

बृहस्पति सिंह का बयान लोगों का ध्यान खींचने का प्रयास मात्रःविनय उपाध्याय

बयान झूठ और दुर्भावना से प्रेरित, सच्चाई से कोई संबंध नहींःकांग्रेस नेता

-संवाददाता-

एमसीबी/चिरमिरी, 09 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर-रामानुजगंज विधानसभा के पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह द्वारा हाल ही में कांग्रेस नेतृत्व पर लगाए गए आरोपों को लेकर प्रदेशभर में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। कई स्थानों पर कांग्रेस नेताओं द्वारा स्थानीय पुलिस में शिकायतें देकर कानूनी कार्रवाई की मांग भी की जा रही है।

ज्ञात हो कि बृहस्पति सिंह को पिछला विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद पार्टी द्वारा निष्कासित किया जा चुका है। इसके बाद से वे लगातार तीखे बयानों के लिए चर्चा में रहे हैं, विधायक रहते हुए भी उन्होंने उस समय के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव पर गंभीर आरोप लगाए थे, हालांकि उन आरोपों की पुष्टि नहीं हो पाई थी। इस बार उन्होंने कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर की एक वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश सह प्रभारी पर जिलाध्यक्ष बनाने के नाम पर पैसे की मांग किए जाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह आरोप झूठा और बेबुनियाद है।

विनय उपाध्याय ने कहा...

चिरमिरी के कांग्रेस नेता विनय उपाध्याय ने बृहस्पति सिंह के बयान को केवल लोगों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास बताया है, उन्होंने कहा यह बयान पूरी तरह पागलपन और मानसिक दिवालियेपन का परिणाम है। कांग्रेस संगठन सृजन कार्यक्रम पूरी पारदर्शिता और प्रक्रिया के साथ चल रहा है, ऐसे समय में इस प्रकार का आरोप केवल भ्रम और असंतोष फैलाने की कोशिश है। टी.एस. सिंहदेव के संबंध में उन्होंने कहा टी.एस. सिंहदेव सौम्य,सरल,सुलझे हुए और संकल्पबद्ध नेतृत्व वाले नेता हैं, वह कांग्रेस के सच्चे सिपाही थे, हैं और आगे भी रहेंगे,प्रदेश सह प्रभारी पर लगाए गए आरोपों को भी उन्होंने पूर्णतः असत्य और दुर्भावनापूर्ण बताया। वर्तमान में इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस संगठन की ओर से आधिकारिक रूप से समीक्षा और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पर विचार किए जाने की जानकारी भी प्राप्त हुई है।

जीवन साथी के लिए गोली खाने को तैयार हैं रश्मिका,बोलीं...विजय देवरकोंडा के लिए किसी भी हद तक जा सकती हूं...

नेशनल क्रश कहलाई जाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की नई फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इसी दौरान रश्मिका मंदाना ने अपनी शादी को लेकर दिल छू लेने वाला बयान दिया है। हाल ही में एक इवेंट में रश्मिका ने कहा कि वो विजय देवरकोंडा से शादी करना चाहती हैं और अपने जीवनसाथी के लिए वे किसी भी हद तक जा सकती हैं, यहां तक कि गोली खाने को भी तैयार हैं। रश्मिका ने कहा- मुझे ऐसा इंसान चाहिए जो समझने के लिए तैयार हो। कोई ऐसा जो सचमुच अच्छा हो और जो मेरे साथ या मेरे लिए जंग लड़ सके। अगर कल मेरे खिलाफ जंग हुई, तो मुझे पता है कि वो इंसान मेरे साथ लड़ेगा। मैं भी वैसा ही करूंगी। मैं उसके लिए किसी भी दिन गोली खाने को तैयार हूं। उन्होंने यह भी बताया कि उनका आदर्श जीवनसाथी वही होगा जो जिंदगी को गहराई से समझे और हर परिस्थिति को अपने दृष्टिकोण से देखे। उसी इवेंट में रश्मिका ने मजाकिया अंदाज में बताया कि अगर उनसे पूछा जाए कि वे किन अभिनेताओं को डेट, शादी या मार डालेंगी, तो वे शादी के लिए विजय देवरकोंडा का नाम लेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका और विजय ने हाल ही में सगाई कर ली है और दोनों 26 फरवरी 2026 को उदयपुर में शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों की जोड़ी बॉलीवुड और साउथ की जनता में बहुत पसंद की जा रही है। फिल्म द गर्लफ्रेंड के प्रमोशन के दौरान रश्मिका के ये शब्द सुर्खियां बटोर रहे हैं, और फैंस उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रश्मिका की फिल्म द गर्लफ्रेंड तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में थिएटर्स में 7 नवंबर 2025 को रिलीज हुई है।

बहुत सारे खूबसूरत पल साथ लेकर जा रहा हूं : अभिषेक कुमार

अभिनेता अभिषेक कुमार ने टीवी शो पति पत्नी और पंगा को अलविदा कह दिया है। अभिषेक कुमार ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस शो के बारे में अपने विचार और भावनाएं साझा कीं। उन्होंने लिखा, मैं बहुत सारे खूबसूरत पल साथ लेकर जा रहा हूं। क्या ही शो था, सब लोग इतने प्यारे और इतने अच्छे थे कि क्या ही बताऊं। आखिरी दिन पर मेरा अलग लेवल का एक्साइटमेंट था और इमोशनल भी था। आप सभी ने इतना प्यार दिया हमारे शो को, उसके लिए आप सभी का दिल से शुक्रिया, बस ऐसे ही अपना प्यार बनाए रखना, मिलते हैं जल्द। उनके इस पोस्ट पर अभिनेत्री हिना खान ने कमेंट किया, प्यार, प्यार और बहुत सारा प्यार मेरे बच्चे। वहीं, बालिका वधू फेम अविका गौर ने कमेंट में लिखा, मिल जल्दी। अभिषेक ने इस मौके पर होस्ट और बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे, मुनव्वर फारूकी और कई सेलिब्रिटी जोड़ों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। इन जोड़ों में रुबिना दिलैक और अभिनव शुक्ला, स्वरा भास्कर और फहाद अहमद, सुदेश लहरी और उनकी पत्नी ममता लहरी, हिना खान और रॉकी जायसवाल, अविका गौर और मिलिंद चांदवानी, और देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी शामिल थे। बता दें कि पति, पत्नी और पंगा का फिनाले 16 नवंबर को है।

हम सभी ईश्वर की खास रचना हैं : यामी गौतम

अपनी आगामी फिल्म 'हक' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री यामी गौतम ने कहा कि एक कलाकार की रचनात्मकता के पीछे हमेशा ईश्वर की कृपा होती है। यामी ने कहा, हम सभी इस दुनिया में ईश्वर की खास रचना हैं। अभिनेत्री यामी गौतम ने कहा कि हर इंसान के भीतर एक अनोखी कला और उद्देश्य छिपा होता है, जिसे पहचानना जीवन का सबसे बड़ा अर्थ है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी असली ताकत और क्षमता को समझ लेता है, तो वह इस दुनिया को बेहतर बना सकता है। जीवन सिर्फ सांस लेने का नाम नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर की कला को पहचानने और उसे सही दिशा देने की जिम्मेदारी भी है। अभिनेत्री ने कहा कि हर व्यक्ति किसी उद्देश्य के साथ इस धरती पर आता है और उसके भीतर एक खास प्रतिभा छिपी होती है। उनके अनुसार कला केवल अभिनय, पेंटिंग या संगीत तक सीमित नहीं है, बल्कि हर वह काम जो पूरे मन से किया जाए, वह भी एक कला है। उन्होंने कहा, कला एक आशीर्वाद है, और यह हम पर निर्भर करता है कि हम उसे कितना सम्मान देते हैं। जब इंसान अपने काम को श्रद्धा और ईमानदारी से करता है, तो उसमें ईश्वर का स्पर्श महसूस किया जा सकता है। यामी ने अपने जीवन और पेशे के प्रति अपने गहरे जुड़ाव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, अगर मैं एक लेखक होती, तो मेरे लिए कलम और विचार सबसे पवित्र होते। उसी तरह, अभिनय मेरे लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि साधना है। हर किरदार के जरिए मैं किसी न किसी रूप में जीवन की सच्चाई को जीती हूं। अपनी नई फिल्म 'हक' के बारे में यामी ने बताया कि यह फिल्म समाज में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की बात करती है। फिल्म में वह एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं जिसे उसका पति तीन तलाक देकर छोड़ देता है। इसके बाद वह अपने

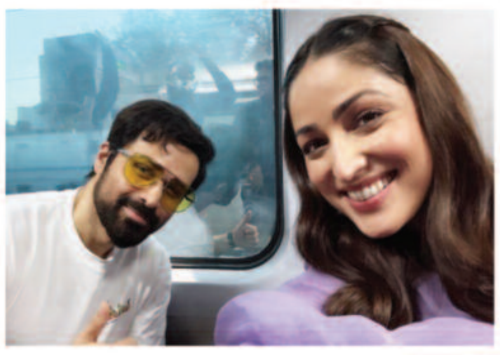

पति से गुजारा भत्ता की मांग करने और सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ती है। यामी का कहना है कि यह कहानी सिर्फ एक महिला की नहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं की आवाज है जो अन्याय के खिलाफ खड़ी होने की हिम्मत रखती हैं।

हॉलीवुड फिल्म से जुड़ी श्रद्धा कपूर

जूटोपिया 2 के हिंदी वर्जन में जूडी हॉप्स के किरदार को देंगी अपनी आवाज

डिज्नी की एनिमेटेड फिल्म जूटोपिया 2 हिंदी में भी रिलीज होगी। इस हॉलीवुड फिल्म के हिंदी वर्जन में एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर फिल्म के किरदार जूडी हॉप्स को अपनी आवाज देंगी। यह फिल्म भारत में 28 नवंबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। वहीं अमेरिका में 2 दिन पहले 26 नवंबर को मूवी रिलीज होगी। फिल्म के हिंदी वर्जन की घोषणा के दौरान इवेंट में श्रद्धा ने बताया कि उन्हें जूडी हॉप्स का रोल उनकी पर्सनैलिटी के काफी करीब लगा। श्रद्धा ने कहा, जूडी हॉप्स का रोल मुझसे काफी मिलता-जुलता है। वो समझदार है, हमेशा पॉजिटिव रहती है और उसका जो हमेशा जोश में रहने वाला स्वभाव है, उससे मैं पूरी तरह जुड़ सकती हूं। जब जरूरत होती है, तो वो सख्त होती है और वक्त आने पर नरम भी। जूडी बनकर काम करना मेरे लिए बहुत मजेदार था। श्रद्धा ने आगे बताया कि किसी एनिमेटेड किरदार को आवाज देना एक अलग तरह का अनुभव था। उन्होंने कहा, किसी एनिमेटेड कैरेक्टर को आवाज देना बिल्कुल अलग और मजेदार एहसास है। बचपन में हम सब कई लोगों की नकल किया करते थे और अब एक मजाकिया और कूल बनी को अपनी आवाज देना बहुत ही मजेदार रहा। मुझे अपनी आवाज को जूडी के मूड के हिसाब से बदलना पड़ता था।

बॉलीवुड में फिल्म बाहुबली से बनी अनुष्का शेट्टी की पहचान

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में फिल्मस्टार अनुष्का शेट्टी ने कई सालों से अपनी अलग पहचान स्थापित की है। सिर्फ बड़े सितारों के साथ रोमांस या हिट फिल्में करना ही उनका मकसद नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने दम पर महिला केंद्रित फिल्मों में भी नाम कमाया। साइज जीरो, रूद्रमादेवी और घाटी जैसी फिल्मों में उन्होंने यह साबित कर दिया कि एक मजबूत किरदार और कड़ी मेहनत से किसी भी हीरोइन के लिए अपने दम पर फिल्म हिट करना संभव है। अनुष्का शेट्टी ने अपनी अदाकारी और मेहनत के दम पर हर किसी का दिल जीता है। हिंदी सिनेमा के दर्शक उन्हें सबसे ज्यादा फिल्म बाहुबली से पहचानते हैं। अनुष्का शेट्टी का जन्म 7 नवंबर 1981 को कर्नाटक के मंगलुरु में हुआ था। उनका असली नाम स्वीटी शेट्टी है। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई लेना-देना नहीं था। वह बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में आगे थीं। उनकी खूबसूरती और व्यक्तित्व ने उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाया। फिल्मों में आने से पहले अनुष्का योगा इंस्ट्रक्टर के रूप में काम करती थीं। उनकी फिटनेस और स्टाइल को देखकर एक डायरेक्टर ने उन्हें फिल्म का ऑफर दिया और इसी से उनका सिनेमा का सफर शुरू हुआ। अनुष्का ने साल 2005 में तेलुगू फिल्म सुपर से अपने करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्हें नागार्जुन जैसे बड़े अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता हासिल की, लेकिन अनुष्का की एक्टिंग और उपस्थिति ने इंडस्ट्री में उन्हें एक पहचान दिला दी। इसके बाद उन्होंने साल 2008 में शौर्यम में हिट स्टार गोपीचंद के साथ काम किया। इस फिल्म में उनकी केमिस्ट्री और अभिनय को दर्शकों ने खूब पसंद किया। साल 2009 में आई फिल्म अरुंधति ने अनुष्का की प्रतिभा को पूरी तरह सामने लाया। इसके बाद 2010 में उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म वेदम में काम किया। इस फिल्म में उनका किरदार एक वेश्या का था, जो अपने जीवन में बदलाव की कोशिश करती है। भले ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता पाई, लेकिन अनुष्का के अभिनय की जमकर तारीफ हुई। महिला केंद्रित फिल्मों में उन्होंने अपने दमदार अभिनय को साबित किया और 2015 में रूद्रमादेवी फिल्म पेश की। इस फिल्म में उन्होंने एक मजबूत महिला शासक का किरदार निभाया। इसके पहले उन्होंने साइज जीरो फिल्म के लिए अपना 20 किलो वजन बढ़ाया था, ताकि उनके किरदार को सही ढंग से पेश किया जा सके। अनुष्का शेट्टी को उनकी मेहनत और अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। उन्हें तीन बार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुका है। इन महिला प्रधान फिल्मों के जरिए उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया।

खेल समाचार

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 में 9 रन से हराया

कीवी टीम सीरीज में 2-1 से आगे, आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बना सकी वेस्टइंडीज

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2025। न्यूजीलैंड ने रविवार को नेल्सन में खेले गए तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 9 रन से हरा दिया। कीवी टीम ने इसी के साथ 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए, जिसके जवाब में कैरेबियाई टीम 19.5 ओवर में 168 रन पर ऑलआउट हो गई। वेस्टइंडीज को आखिरी ओवर में जीत के लिए 12 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम यह टारगेट हासिल नहीं कर सकी। अब दोनों टीमें चौथा टी-20 मुकाबला कल यानी 10 नवंबर को नेल्सन में ही खेलेंगी, जहां वेस्टइंडीज सीरीज में बराबरी की कोशिश करेगी।

ईश सोढी प्लेयर ऑफ द मैच : 178 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर अमीर जंगू 13 रन के स्कोर पर आउट हो गए। जंगू (5) को जैकब डफी ने बोल्ड कर दिया। दूसरा विकेट 15 रन के स्कोर पर गिरा। शाई होप (1) को ईश सोढ़ी ने आउट किया। इसके बाद एकीम ऑगस्टे और एलिक एथानजे ने पारी को संभालने का काम किया, लेकिन कीवी गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के लिए एक भी पार्टनरशिप को मजबूत नहीं होने दिया। ऐसे में टीम ने 88 रन के स्कोर पर अपने 8 विकेट गंवा दिए। लेकिन, लोअर ऑर्डर में रोमारियो शेफर्ड ने 49 और शमार स्प्रिंगर ने 20 गेंद में 39 रन की पारी खेलकर मैच को रोमांचक बपना दिया। हालांकि, इसके बावजूद टीम आखिरी ओवर में 12 रन नहीं बनी सकी और मैच 9 रन से हार गई। ईश सोढी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा डफी ने भी 3 विकेट लिए। इन दोनों के बाद काइल जैमीसन, माइकल ब्रेसवेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी एक-एक विकेट अपने नाम किए।

कॉन्वे का अर्धशतक : वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 में डेवोन कॉन्वे और टिम रॉबिन्सन ने न्यूजीलैंड के लिए जबरदस्त शुरुआत की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की पार्टनरशिप हुई। हालांकि, रॉबिन्सन 21 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा कॉन्वे ने 34 गेंद में 56 रन की पारी खेली।

चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरे डेरिल मिचेल ने भी 24 गेंद में 41 रन की पारी खेली, जबकि रचिन रवींद्र ने 15 गेंद में 26 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज के लिए मैथ्यू फोर्ड और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट झटके। रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर को 1-1 मिला।

जवागल श्रीनाथ की रफ्तार से कांपते थे बल्लेबाज : वेंकटपति राजू

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2025। 90 के दशक में भारतीय क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाजी का चेहरा रहे जवागल श्रीनाथ को आज की युवा पीढ़ी भले ही उतना न जानती हो, लेकिन एक समय था जब उनकी रफ्तार से दुनिया के दिग्गज बल्लेबाज भी खौफ खाते थे। कपिल देव के संन्यास के बाद श्रीनाथ ने लंबे समय तक भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की अगुवाई की और कई मुकाबलों में भारत को यादगार जीत दिलाई। उन्होंने 348 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 551 विकेट लेकर अपने नाम सुनहरा अध्याय दर्ज किया। श्रीनाथ ने 1991 में टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अपने शुरुआती दिनों में ही उन्होंने ऐसी तेज गेंदबाजी दिखाई कि सीनियर खिलाड़ी भी उनसे परेशान हो उठे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटपति राजू ने एक पॉडकास्ट में इस बात का खुलासा किया कि एक बार नेट्स पर दिलीप वेंगसरकर, श्रीनाथ की गति से इतने चकित हुए कि उन्होंने गुस्से में उन्हें गाली तक दे दी। राजू ने बताया कि 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में भारत के पास मनोज प्रभाकर जैसे स्विंग गेंदबाज और चेतन शर्मा जैसे फुर्तीले गेंदबाज थे, लेकिन उनमें निरंतरता की कमी थी। ऐसे में जब जवागल श्रीनाथ आए, तो टीम को एक असली तेज गेंदबाज मिल गया। इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए बेंगलुरु में अभ्यास सत्र चल रहा था, जहां श्रीनाथ को टीम के बल्लेबाजों को नेट्स पर गेंदबाजी करने का मौका मिला। प्रैक्टिस के दौरान श्रीनाथ ने वेंगसरकर को एक तेज शॉर्ट पिच गेंद फेंकी। गेंद की रफ्तार इतनी थी कि वेंगसरकर का बल्ला हाथ से छूट गया। गुस्से में उन्होंने श्रीनाथ को डांटते हुए कहा, मैच में आकर दिखाना! श्रीनाथ ने जवाब में कुछ नहीं कहा, बस मुस्करा दिए। कुछ समय बाद देवधर ट्रॉफी में दोनों आमने-सामने हुए। उस मैच में बोर्ड प्रेसिडेंट इलेवन की कप्तानी रवि शास्त्री कर रहे थे। उन्होंने श्रीनाथ को वेंगसरकर की वही बात याद दिलाई और कहा, पहली गेंद बाउंसर डालना। श्रीनाथ ने कप्तान की बात मानी और पहली ही गेंद पर वेंगसरकर को फिर से झटका दे दिया इस बार भी उनका बल्ला हाथ से छूट गया।

वर्ल्डकप जीतने के बाद जेमिमा की महिला बिग बैश लीग में खराब शुरुआत

मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 6 रन बनाकर आउट,ब्रिस्बेन हीट सात विकेट से हारी

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2025। पिछले हफ्ते भारत को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाली जेमिमा रोड्रिग्स की कॉम्पीटिव क्रिकेट में वापसी निराशाजनक रही है। वे रविवार को ऑस्ट्रेलियाई में चल रही महिला बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 6 रन ही बना पाईं। जेमिमा की टीम ब्रिस्बेन हीट 7 विकेट से हार गई। 33 साल की जेमिमा 9 गेंद खेलने के बाद एलिस कैप्सी की गेंद पर बैकवर्ड पॉइंट पर डिएंड्रा डॉटिन के हाथों कैच आउट हो गई। जेमिमा ने 2 नवंबर को भारतीय टीम की ओर से विमेंस वनडे वर्ल्ड कप जीता था। भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराया। जेमिमा ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 127 रन की पारी खेली थी। उन्होंने उस पारी पर मजाकिया अंदाज में कहा- मुझे लगा कि उस पारी के ऑस्ट्रेलियन मुझे बॉर्डर पार नहीं करने देंगे।

रोड्रिग्स ने फैंस को निराश किया : रोड्रिग्स की इस वापसी ने उनके बढ़ते फैंस को निराश किया, लेकिन उनकी मौजूदगी ने मुकाबले में स्टार वैल्यू का तड़का लगाया। ब्रिस्बेन हीट ने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें जेमिमा मुस्कुराते हुए मैदान की ओर जाती दिखाई दे रही हैं। जेमिमा ने इस वीडियो में कहा- मैं यहां ब्रिस्बेन में हूं, क्या आप यकीन कर सकते हैं, आज के लिए बहुत उत्साहित हूं, चलो शुरू करते हैं। हीट के लिए नादिन डी क्लार्क (38 गेंदों पर 40) और चिनेल हेनरी (22 गेंदों पर 29) ने डटकर सामना किया लेकिन रेनेगेड्स के स्पिनरों ने मैच पर दबदबा बनाए रखा और टीम की पारी 20 ओवर में 133 रन पर ही सिमट गयी। रेनेगेड्स की कप्तान जॉर्जिया वेयरहैम (12 रन पर तीन विकेट) और कैप्सी (22 रन पर तीन विकेट) ने बीच के ओवरों में शानदार प्रदर्शन किया जबकि टेस फ्लिंटॉफ (30 रन पर तीन विकेट) आखिरी ओवरों में हीट को वापसी का मौका नहीं दिया।

बारिश से प्रभावित मैच में रेनेगेड्स को जीत के लिए आठ ओवर में 66 रन का संशोधित लक्ष्य मिला, जिसे टीम ने 7.3 ओवरों में हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया है एशेज का प्रबल दावेदार, लेकिन इंग्लैंड भी जीत के लिए तैयार : मार्क वुड

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2025। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अपनी घरेलू परिस्थितियों के कारण आगामी एशेज सीरीज में प्रबल दावेदार रहेगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंग्लैंड की टीम आत्मविश्वास और तैयारी के मामले में पीछे नहीं है। इंग्लैंड की टीम 2010-11 के बाद से ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एशेज सीरीज नहीं जीत पाई है, और इस बार उसका लक्ष्य इस लंबे इंतजार को खत्म करने का है। वुड ने मीडिया से बातचीत में कहा, ऑस्ट्रेलिया निश्चित रूप से इस सीरीज में फेवरेट है, लेकिन हमें भी पूरा भरोसा है कि हम यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे पास ऐसा संयोजन है जो किसी भी टीम को चुनौती दे सकता है।

लंबे समय से चोट से जूझ रहे मार्क वुड ने बताया कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, लेकिन पहले टेस्ट तक खेलने की स्थिति में पहुंचने की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें मैदान से दूर कर दिया। वुड इंग्लैंड की गेंदबाजी आक्रमण का अहम हिस्सा हैं और टीम को उनसे काफी उम्मीदें हैं। वुड ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं शत-प्रतिशत फिट हूं। इतनी लंबी चोट के बाद अभ्यास में हमेशा पूरा दम लगाना आसान नहीं होता, लेकिन मैं धीरे-धीरे अपनी रफ्तार और स्टैमिना दोनों पर काम कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि पहले टेस्ट तक मैं पूरी तरह फिट होकर मैदान में उतरूंगा। पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा।

जोकोविच ने हेलैनिक चैंपियनशिप्स 2025 जीता

लेकिन एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेकर सब को चौंकाया

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2025। सर्बिया के दिग्गज टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप के फाइनल में इतालवी खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी को कड़े मुकाबले में 4-6, 6-3, 7-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह मैच करीब तीन घंटे तक चला,जिसमें निर्णायक सेट में 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच सर्विस ब्रेक देखने को मिले। लेकिन इस शानदार जीत के मात्र कुछ घंटों बाद ही 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने एटीपी फाइनल्स से चोट के कारण नाम वापस लेने की घोषणा कर फैंस को स्तब्ध कर दिया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले सेट में मुसेट्टी ने 6-4 से बढ़त बनाई,लेकिन जोकोविच ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6-3 से जीत दर्ज की। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों ने जबरदस्त संघर्ष किया। कुल 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच ब्रेक के साथ यह सेट 7-5 से जोकोविच के पक्ष में गया। यह जीत जोकोविच के लिए हार्ड कोर्ट पर 72वां टूर-स्तरीय खिताब साबित हुई, जिससे उन्होंने ओपन एरा में सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में स्विस लीजेंड रोजर फेडरर की बराबरी कर ली। दूसरी ओर, मुसेट्टी को एटीपी टूर फाइनल में लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। 22 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 2022 में हैम्बर्ग और नेपल्स में अपने करियर के पहले दो खिताब जीते थे, लेकिन इस हार के बावजूद वे जोकोविच की जगह ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में भाग लेंगे।

चोट ने फिर दी झटका, 2024 की याद ताजा

जीत के बाद जोकोविच ने सोशल मीडिया पर अपनी घोषणा की मुझे दुख है कि चोट की वजह से एटीपी फाइनल्स से हटना पड़ रहा है। मुझे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। मैं उन फैंस से माफी चाहता हूं, जो मुझे खेलते हुए देखने की उम्मीद कर रहे थे। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह दूसरी बार है जब जोकोविच चोट के कारण एटीपी फाइनल्स मिस कर रहे हैं। साल 2024 में भी वे इसी वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। उम्र के इस पड़ाव पर चोटें उनके करियर की बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं, लेकिन उनकी फिटनेस और मानसिक मजबूती हमेशा सराहनीय रही है।

ग्रीस को समर्पित जीत और मुसेट्टी को बधाई...

मैच के बाद जोकोविच ने जीत को ग्रीस के लोगों को समर्पित किया। उन्होंने कहा, मैं यह जीत ग्रीस के लोगों को समर्पित करता हूं। आप मेरा समर्थन करते हैं। आप टेनिस का समर्थन करते हैं। आपने मुझे घर जैसा महसूस कराया है। यह जीत यहां इतने सारे परिवारों के साथ और भी खास लगती है। इस खूबसूरत टूर्नामेंट को इतना खास बनाने वाले सभी लोगों का भी बहुत-बहुत आभार। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए जोकोविच ने मुसेट्टी की तारीफ की: मुसेट्टी, क्या शानदार मुकाबला था। अविश्वसनीय प्रदर्शन और टूर्नामेंट के लिए बधाई। इसे जारी रखो, तुम्हारा भविष्य उवल है।

मुख्यमंत्री ने रतनपुर में 100 बिस्तर अस्पताल एवं एक करोड़ की लागत से सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की

कल्चुरी कलार समाज के सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

रायपुर,09 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बिलासपुर जिले के रतनपुर में आयोजित कल्चुरी कलार समाज के महासम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने भगवान सहस्त्रबाहु एवं बहादुर कलारीन दाई की पूजा-अर्चना कर विशाल सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि धार्मिक नगरी रतनपुर के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के अंतर्गत 200 करोड़ रुपए की कार्ययोजना स्वीकृति के लिए भेजी गई है, जिसकी जल्द स्वीकृति की संभावना है। उन्होंने रतनपुर में 100 बिस्तर वाले अस्पताल की स्थापना तथा कल्चुरी समाज के सामुदायिक भवन के निर्माण हेतु 1 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। इस अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव, श्रीमती संगीता सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, एवं महापौर श्रीमती पूजा विधानी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कल्चुरी राजवंश ने रतनपुर सहित देश के अनेक हिस्सों में लगभग 1200 वर्षों तक शासन किया। उनके शासनकाल में प्रजा सुखी और देश समृद्ध था। उन्होंने कहा कि मां महामाया की कृपा से छत्तीसगढ़ में तीव्र गति से

विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ देश के मध्य में स्थित एक समृद्ध राज्य है, जो खनिज, वन एवं जल संसाधनों से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेशवासियों को साथ लेकर राज्य को और अधिक प्रगति के मार्ग पर ले जाएगी। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार को मात्र 22 माह हुए हैं, और इतनी कम अवधि में भी मोदी की गारंटी के रूप में किए गए लगभग सभी बड़े वादे पूरे किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को नया और शक्तिशाली भारत बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि किसानों से किए गए वादे के अनुरूप सरकार 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत राज्य की लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपए की राशि प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। नक्सल प्रभावित ग्रामों में विकास कार्यों को तीव्र गति से प्रारंभ किया गया है। पिछले कुछ महीनों में बस्तर के अनेक ग्रामों को पुनः विकास की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति को देशभर में सराहना मिली है। अब तक 7.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर उद्योगों की स्थापना का कार्य आरंभ हो चुका है। नई नीति में रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी गई है, और अधिक रोजगार देने वाले उद्योगों को विशेष रियायतें दी जा रही हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से इन नीतियों का लाभ उठाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार ने विजन डॉक्यूमेंट-2047 जारी किया है। इसमें निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि रतनपुर कल्चुरी शासन का प्रमुख केंद्र रहा है। लगभग 1200 वर्षों तक देश के विभिन्न भागों में कल्चुरियों ने शासन किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास कार्यों की गति अत्यंत तीव्र है। जायसवाल ने कहा कि कल्चुरी समाज के पूर्वजों द्वारा किए गए जनहितकारी कार्यों को राज्य सरकार आगे बढ़ा रही है। कल्चुरियों ने अपने काल में तालाब, सड़कें और सिंचाई परियोजनाएं बनवाई थीं – आज की सरकार भी उन्हीं परंपराओं को प्राथमिकता से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने नवा रायपुर में एक चौक का नाम भगवान सहस्त्रबाहु के नाम पर रखने के लिए मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति सामाजिक समरसता की प्रतीक है और सभी समाजों के ईष्टदेवों के प्रति समान आदर का भाव रखती है। कार्यक्रम में कल्चुरी कलार समाज के मोहित जायसवाल ने स्वागत भाषण दिया।

दुर्ग जिला अस्पताल में बड़ा हादसा

नसबंदी सर्जरी के दौरान 2 महिलाओं की मौत

दुर्ग,09 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला अस्पताल में नसबंदी सर्जरी के दौरान दो महिलाओं की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। इस घटना से अस्पताल में हड़कंप मच गया है। मृतकों की पहचान बजरंग नगर निवासी 27 वर्षीय पूजा यादव और सिकोला भाटा निवासी 30 वर्षीय किरण यादव के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, नसबंदी की सर्जरी के लिए इस्तेमाल की गई दवाओं के रिएक्शन के चलते दोनों की जान चली गई। फ़िलहाल मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सर्जरी के दौरान बिगड़ गई हालत...

अस्पताल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाओं की मौत सर्जरी के तुरंत बाद हुई। दोनों की बॉडी में अकड़न शुरू हो गई थी और उन्हें झटके आने लगे थे। तत्काल उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया, लेकिन दोनों को बचाया नहीं जा सका।

पूजा यादव (27) का मामला...

बजरंग नगर की पूजा यादव ने 5 दिन पहले ही जिला अस्पताल में गर्भपात कराया था और उन्हें खून भी चढ़ाया गया था। नसबंदी सर्जरी के दौरान उन्हें 3 एमएल बुपीवाकेन इंजेक्शन, 1 एमजी मिडाज इंजेक्शन और 2 आरएल (रिंगर लैक्टेट) दिया गया था। इसके कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ गई और मौत हो गई।

किरण यादव (30) का मामला..

सिकोला भाटा निवासी किरण यादव की सिजेरियन डिलीवरी से बच्चे को जन्म देने के तुरंत बाद नसबंदी की जा रही थी। उन्हें 2.2 एमएल बुपीवाकेन इंजेक्शन, ऑक्सीटोसीन 10 आईयू इंजेक्शन, 2 आरएल और 1 डीएनएस दिया गया था। इसके बाद उनकी भी तबीयत बिगड़ी और जान चली गई। दवा रिएक्शन की आशंका, जांच के आदेश माना जा रहा है कि इन दोनों मौतों की वजह दवाओं का गंभीर रिएक्शन है। स्वास्थ्य विभाग ने इस गंभीर मामले का संज्ञान लिया है और विस्तृत जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच में इस्तेमाल की गई दवाओं की गुणवत्ता, उनकी डोज और सर्जरी प्रोटोकॉल की गहनता से पड़ताल की जाएगी। जल्द ही जांच रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण का पता चल सकेगा और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

सिम्स में शर्मनाक वसूली

-पापा की लाश दे दो...कहते बिलख उठा बेटा

रायपुर,09 नवम्बर 2025। बिलासपुर के सिम्स अस्पताल से इंसानियत को शर्मसार करने वाला वीडियो सामने आया है। यहां मृतक के परिजनों से डेड बॉडी देने के बदले पैसे की मांग की गई। अस्पताल परिसर में खुलेआम हुई इस वसूली का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सिम्स में इंसानियत की मौत

कोटा ब्लॉक के ग्राम रिंगरीगा निवासी 64 वर्षीय गणेश सिंह सरटीया का 30 अक्टूबर को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद सिम्स में इलाज चल रहा था। छह दिन तक इलाज के बावजूद उनकी हालत नहीं सुधरी और 7 नवंबर को उनकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए शव को मरच्यूरी में ले गए, लेकिन वहां शुरू हो गया अमानवीय सौदा।

डेड बॉडी के नाम पर वसूली का वीडियो वायरल

परिजनों का आरोप है कि चौकी प्रभारी ढेला राम मरकाम ने पंचनामा के नाम पर ₹500 की मांग की, जबकि मरच्यूरी में काम करने वाले सफाईकर्मी सूरज मौर्या ने भी शव सौंपने के बदले ₹300 मांगे। गरीब परिवार के पास पैसे नहीं थे, तो मृतक का बेटा गांव में लोगों से उधार मांगता नजर आया।

कचरा साबित हुआ सिस्टम परेशानी किसी ने नहीं सुनी,ग्रामीणों ने खुद बना डाली 12 किलोमीटर सड़क

दंतेवाड़ा,09 नवम्बर 2025। जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में ग्रामीणों ने अपने प्रयासों से सड़क की मरम्मत शुरू कर दी है। यह सड़क लगभग 12 किलोमीटर लंबी है और लंबे समय से खराब स्थिति में होने के कारण स्थानीय लोगों को आवाजाही में कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए थे, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चे, ग्रामीण, किसान और वाहन चालक सभी प्रभावित हो रहे थे। तीन गांवों के ग्रामीणों ने मिलकर श्रमदान के माध्यम से सड़क सुधारने का अभियान शुरू किया। ग्रामीणों ने अपने समय और श्रम से गड्ढों को भरने और सड़क की सतह को समतल करने का काम किया। उनका कहना है कि यह पहल केवल अपनी सुविधा के लिए नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लोगों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए की जा रही है। इससे आपातकालीन स्थिति में भी मदद पहुंचाने में आसानी होगी। स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि पहले सड़कों की खराब स्थिति के कारण बारिश के मौसम में गांवों का संपर्क अन्य क्षेत्रों से कट जाता था। वाहन आसानी से चल नहीं पाते थे और पैदल चलने वाले लोगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कठोर कारावास की सजा,एसआई की विवेचना से पीड़िता को मिला न्याय

रायगढ़,09 नवम्बर 2025। न्यायालय फास्ट ट्रैक कोर्ट रायगढ़ के न्यायाधीश श्री देवेंद्र साहू ने नाबालिग से दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5000 के अर्थदंड से दंडित किया है। यह फैसला पीड़िता के लिए न्याय की बड़ी जीत साबित हुआ है। इस प्रकरण में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक श्री मनमोहन सिंह ठाकुर ने प्रभावी पैरवी की, जबकि विवेचना उपनिरीक्षक गिरधारी साव, थाना जूटमिल द्वारा अत्यंत तत्परता और विधिसम्मत ढंग से की गई। गिरधारी साव की सटीक विवेचना और ठोस साक्ष्य संकलन के चलते न्यायालय में अभियोजन पक्ष को सफलता मिली। घटना 10 जुलाई 2024 की रात की है। प्रकरण दर्ज कराते हुए पीड़िता की बड़ी बहन ने 11 जुलाई 2024 को थाना जूटमिल में रिपोर्ट (क्रमांक 324/2024 धारा 64 बीएनएस एवं 4 पॉक्सो एक्ट) दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी आकाश यादव पिता भुजबल यादव उम्र 21 वर्ष, निवासी निगम कॉलोनी बजरंगपारा जूटमिल, ने उसके साथ रह रही नाबालिग बहन के साथ दुष्कर्म किया। रिपोर्ट मिलते ही पुलिस ने तत्काल प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच प्रारंभ की। उस समय थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन भारद्वाज के निर्देशन में महिला पुलिस अधिकारी दीपिका निर्मलकर ने पीड़िता का कथन दर्ज किया।

दिल दहला देने वाली वारदात...सराफा कारोबारी को घर से घसीट कर ले गए बदमाश, सराफा लाइन में पीट-पीट कर की हत्या...

दुर्ग,09 नवम्बर 2025। दुर्ग में शनिवार को हुई सराफा कारोबारी की निर्मम हत्या ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। शीतल नगर निवासी सराफा कारोबारी संतोष आचार्य की 8 हमलावरों ने घर में घुसकर हत्या कर दी। वारदात की बर्बरता ने शहर में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।

दिनदहाड़े घर में घुसे हमलावर

वारदात शनिवार दोपहर की है जब संतोष आचार्य घर पर अकेले थे। इसी दौरान 8 आरोपी लोहे की रॉड से दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और संतोष पर लाठी-डंडों, लात-घूंसों से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि संतोष के गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद हमलावरों ने उन्हें नहीं छोड़ा।

कचरा गाड़ी में डालकर दोबारा की पिटाई : प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आरोपियों ने संतोष को घर से घसीटकर बाहर निकाला, फिर पास खड़ी कचरा गाड़ी में डालकर सराफा लाइन क्षेत्र तक ले गए। वहां पहुंचकर बदमाशों ने फिर से संतोष की क्रूरता से पिटाई की।

इलाके में दहशत,दुकानें बंद

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें समय से पहले बंद कर दी। स्थानीय व्यापारियों ने कहा कि शहर के बीचोबीच ऐसी घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक आरोपियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं, लेकिन उनसे पूछताछ जारी है।

पुराना विवाद बना हत्या की वजह

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हत्या के पीछे का कारण पैसों का लेन-देन और पुराना विवाद है। संतोष और आरोपियों के बीच कुछ समय से व्यवसायिक मतभेद और झगड़ा चल रहा था। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस घटना के पीछे किसी तीसरे पक्ष की साजिश या दबाव शामिल था।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर! बिजली बिल हाफ स्कीम में अब 200 यूनिट तक मिलेगी छूट...

रायपुर,09 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार जल्द ही जनता को बिजली बिल में बड़ी राहत देने जा रही है। राज्य की लोकप्रिय 'बिजली बिल हाफ स्कीम' को फिर से संशोधित करने की तैयारी की जा रही है। सरकार इस योजना के तहत 100 यूनिट से बढ़ाकर 200 यूनिट तक की बिजली पर आधा बिल करने का प्रस्ताव तैयार कर चुकी है। इस फैसले से राज्य के 14 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को सीधी राहत मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिए संकेत : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस दिशा में संकेत देते हुए कहा कि सरकार आम लोगों पर बढ़ते बिजली खर्च का बोझ कम करने के लिए गंभीर है। सूत्रों के मुताबिक बिजली दरों से संबंधित फाइल मुख्यमंत्री सचिवालय पहुंच चुकी है और अंतिम मंजूरी के बाद दिसंबर से नई व्यवस्था लागू की जा सकती है।

बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत : वर्तमान दरों के अनुसार, जिन उपभोक्ताओं का मासिक बिजली बिल 800 से 900 रुपए तक आता है, उन्हें नई दरें लागू होने के बाद 420 से 435 रुपए तक का भुगतान करना पड़ेगा। जिसका मतलब है कि उपभोक्ताओं की प्रति बिल औसतन 400 से 450 रुपए तक की बचत हो सकती है।

कुछ समय पहले भी हुआ था बदलाव : गौरतलब है कि 1 अगस्त 2025 को राज्य सरकार ने बिजली सब्सिडी की सीमा में बदलाव करते हुए पहले की 400 यूनिट की सीमा घटाकर 100 यूनिट कर दी थी। अब सरकार इस फैसले को आंशिक रूप से पलटते हुए 100 यूनिट से बढ़ाकर 200 यूनिट तक छूट देने जा रही है।

यह निर्णय राज्य के मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकार इस फैसले से जनता के भरोसे को मजबूत करने और लोकप्रिय योजनाओं को फिर से सक्रिय करने की दिशा में काम कर रही है।

उपद्रवी फायरमैन को ढूंढ रही रायपुर पुलिस

रायपुर,09 नवम्बर 2025। राजधानी रायपुर में बीती रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक अज्ञात फायरमैन ने संतोषी नगर इलाके में कई वाहनों और एक घर में आग लगाकर पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी। बताया जा रहा है कि यह घटना संतोषी नगर मिश्रा होटल गली की है, जहां देर रात उस शख्स ने लगातार उत्पात मचाया और फरार हो गया। स्थानीय रहवासियों के मुताबिक, अज्ञात फायरमैन के हाथ में पेट्रोल की बोतल और माचिस थी, और वह रातभर गलियों में घूमकर वाहनों को आग के हवाले करता रहा। उसकी इस हरकत से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शख्स ने दो एक्टिवा, एक बाइक, एक ई-रिक्शा और एक गोदामनुमा घर में आग लगा दी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आस-पास के लोग घरों से बाहर निकल आए। जानकारी के अनुसार, जिस गोदामनुमा घर में आग लगाई गई थी, वहां दूध और मिल्क प्रोडक्ट्स रखे हुए थे, जो पूरी तरह जलकर खाक हो गए। हालांकि समय रहते लोगों ने आग को फैलने से रोक लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इसके बावजूद इलाके में भारी नुकसान हुआ है और लोग अब भी डरे हुए हैं। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रातभर में तीन अलग-अलग जगहों पर आग लगने की सूचना मिली थी। घटनास्थल पर दमकल की तीन गाड़ियां भेजी गईं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

फरार इनामी सूदखोर वीरेंद्र तोमर गिरफ्तार! पुलिस ने बीच बाजार निकाला जुलूस,पत्नी ने जमकर किया तमाशा

रायपुर,09 नवम्बर 2025। राजधानी रायपुर से लंबे समय से फरार चल रहे इनामी सूदखोर वीरेंद्र तोमर को पुलिस ने मध्यप्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार कर लिया है। वीरेंद्र तोमर और उसका भाई रोहित तोमर जून से फरार रहे थे। दोनों आरोपियों पर सूदखोरी, ब्लैकमेलिंग और धमकी जैसे कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस टीम को वीरेंद्र तोमर के ठिकाने की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके आधार पर की गई कार्रवाई में आरोपी को ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया। हालांकि उसका भाई रोहित तोमर अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है और उसकी तलाश जारी है। दोनों आरोपी भाइयों पर सूदखोरी कर लोगों से ब्लैकमेलिंग और धमकाकर वसूली करने के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों पर इनाम की घोषणा भी की थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी को रायपुर लेकर पहुंची थी। वीरेंद्र तोमर की गिरफ्तारी के बाद पुसिल उसे रायपुर लेकर पहुंची और भाठागांव क्षेत्र में उसका जुलूस निकाला। जुलूस में चलने के दौरान वीरेंद्र तोमर लंगड़ाते हुए गिर पड़ा और बेहोश होने का नाटक करने लगा। जुलूस के दौरान वीरेंद्र की पत्नी भी मौके पर मौजूद थी।

कौशल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ समेत इन राज्यों के 178 ट्रेनिंग पार्टनरों को किया ब्लैक लिस्ट,करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप

रायपुर,09 नवम्बर 2025। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों के मामलों पर सख्त कार्रवाई करते हुए 178 प्रशिक्षण भागीदारों और प्रशिक्षण केंद्रों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डाल दिया है। मंत्रालय के अनुसार, इन संस्थानों पर योजना के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन,फर्जी दस्तावेज, अनुपस्थित प्रशिक्षार्थी और अस्तित्वहीन केंद्र जैसी गंभीर अनियमितताओं के आरोप पाए गए। बता दें कि ब्लैक लिस्ट किए गए सेंटर में छत्तीसगढ़ का एक केंद्र भी शामिल है। कौशल विभाग के मुख्य सचिव आईएएस अधिकारी भारतीदासन से

मिली जानकारी के अनुसार सूचीबद्ध SL क्रमांक 80, TP को ब्लैक लिस्ट किया गया है। जो कि सीधे PMKVY 4.0 के अंतर्गत NSDC के साथ पंजीकृत है। लेकिन, यह संस्था CSSDA-MMKVY के साथ VTP के रूप में पंजीकृत नहीं है। 30 अक्टूबर को मंत्रालय ने सभी राज्यों के प्रधान सचिवों,राज्य मिशन प्रमुखों और क्षेत्रीय निदेशालयों को एक विस्तृत पत्र भेजा। इसमें बताया गया कि नियमित निरीक्षण और निगरानी रिपोर्टों की समीक्षा के बाद, मंत्रालय और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम ने यह कदम उठाया है।

पत्र में कहा गया है कि जिन संस्थानों को ब्लैकलिस्ट किया गया है, उनके खिलाफ भुगतान की वसूली शुरू की जा चुकी है। कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी चल रही है। भविष्य में किसी भी सरकारी कौशल योजना में उनके प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

25 साल बाद संपत्ति नियमों में बड़े सुधार...14 सरल नियमों के साथ होगी संपत्ति की रजिस्ट्री

रायपुर,09 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने संपत्तियों के गाइडलाइन निर्धारण संबंधी नियमों में 25 साल बाद बड़े बदलाव किए हैं। अब रजिस्ट्री प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और जनता के लिए अधिक लाभकारी होगी। पुराने नियमों की जटिलताओं और विसंगतियों को खत्म करने के लिए 'बाजार मूल्य गणना संबंधी उपबंध

2025' लागू किए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में मंत्री ओपी चौधरी ने नए नियमों की घोषणा की है। नए उपबंधों से जनता को आर्थिक लाभ मिलेगा। अब किसी भी नए मोहल्ला, कालोनी या परियोजना के विकसित होने पर गाइडलाइन पुनरीक्षण का इंतजार किए बिना संपत्ति का मूल्य निर्धारित किया जा सकेगा। कृषि, डायवर्टेड, नजूल और आबादी भूमि के लिए समान मूल्यांकन मानक लागू होगा। नजूल या डायवर्टेड भूमि होने मात्र से संपत्ति का बाजार मूल्य नहीं बढ़ेगा। नगर निगम, पालिका और पंचायत में सभी वर्गों की भूमि के लिए अब एक ही प्रकार का मूल्य निर्धारण होगा। नए नियमों में हेक्टेयर दर सीमा, निर्मित संरचना पर केवल 8 दरें, सिंचित/असिंचित भूमि अंतर,भूमि का आकार, मुख्य मार्ग की परिभाषा और वाणिज्यिक/औद्योगिक दर को शामिल किया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)